Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -62 रविवार ,01 जनवरी 2023, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

जानेवाले समय को जल्दी जाने दो और आनेवाले समय का स्वागत करो।

- पोप-

संक्षिप्त खबरें

बिहार जहरीली शराब कांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

77 लोगों की गई थी जान

नई दिल्ली/छपरा ,31 दिसम्बर 2022(ए)। बिहार के छपरा में जहरीली शराब बनाकर बेचने वाले मास्टरमाइंड को क्राइम ब्रांच ने दिल्ली से दबोच लिया है। पुलिस को बिहार में जहरीली शराब बनाने वाले मास्टरमाइंड राम बाबू की कई दिनों से तलाश थी।

राम बाबू बिहार से भागकर दिल्ली में छिपा था, जहां दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उसे गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तार के बाद दिल्ली क्राइम ब्रांच ने जानकारी दी है।

बता दें कि छपरा में जहरीली शराब पीने से करीब 77 लोगों की जान चली गई थी। इसके साथ ही कई लोगों की हालत कई दिनों तक खराब रही थी। जिसके बिहार पुलिस ने प्रदेश में इस मामले में कई स्थानों पर छापेमारी कर कुछ आरोपियों को गिरफ्तार भी किया था। उसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। राम बाबू को क्राइम ब्रांच ने अब दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।

14 जनवरी से पहले मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल

विस्तार में इन पर लटकी तलवार

नई दिल्ली ,31 दिसम्बर 2022(ए)। बजट सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है। माना जा रहा है कि मकर संक्रान्ति के बाद कभी भी ये विस्तार हो सकता है। मंत्रिमंडल के विस्तार में वीक परफॉरमेंस में मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम में फेरबदल का खाका तैयार हो गया है।पार्टी सूत्रों ने बताया कि पार्टी संगठन को मजबूत करने को देखते हुए ये बदलाव हो सकते हैं। बता दें कि इसी साल 8 जून को पीएम मोदी के मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ था, जिसमें कुल 12 चेहरों को जगह दी गई थी। जबकि, कुछ बड़े नामों की छुट्टी कर दी गई थी। मंत्रिमंडल फेरबदल की खबरों के बाद से बीजेपी सांसदों में सुगबुगाहट भी शुरू हो गई है

परिसीमन से पहले 4 जिलों के विलय का फैसला

सरमा बोलेः-उम्मीद है फैसलों के महत्व को समझेंगे लोग

नई दिल्ली ,31 दिसम्बर 2022(ए)। असम से एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। असम सरकार ने चार जिलों का अन्य चार जिलों में विलय के साथ-साथ कुछ गांवों के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में बदलाव करने का फैसला किया। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक आवश्यकताओं, समाज और असम के हितों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय भारी मन से लिया गया। हालांकि असम सरकार ने इसके पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया।

इन जिलों का होगा विलय

आपको बता दें कि बिस्वानाथ जिले को सोनितपुर में, होजई को नौगांव में, बजाली को बारपेटा में और तमुलपुर को बक्सा में मिला दिया जाएगा। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कुछ गांवों और कुछ कस्बों के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में भी बदलाव किया गया है।

विलय किए गए ज्यादातर जिले हाल के दिनों में बनाए गए थे। मुख्यमंत्री ने विलय किए गए जिलों के लोगों से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मैं लोगों से

माफी मांगना चाहता हूं लेकिन उम्मीद है कि वे फैसलों के महत्व को समझेंगे।

मंत्रियों की टीम जिलों का करेगी दौरा

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य के मंत्रियों की एक टीम इन जिलों का दौरा करेगी। साथ ही राज्य के मंत्री प्रमुख संगठनों और नागरिकों के साथ बातचीत कर इन फैसलों के कारणों को बताएगी जिनका खुलासा सार्वजनिक तौर पर नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि जिन जिलों का विलय किया गया है उनके पुलिस और न्यायिक जिले जारी रहेंगे क्योंकि वे अन्य कार्यालयों और अधिकारियों के साथ हैं।

गौरतलब है कि चुनाव अयोग ने असम में एक जनवरी, 2023 से परिसीमन तय होने तक नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन पर भी रोक लगा दी है। आयोग ने असम के मुख्य चुनाव अधिकारी को निर्देशित किया है कि राज्य सरकार से यह सुनिश्चित कराएं कि एक जनवरी, 2023 से परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने तक नए प्रशासनिक निकायों या इकाइयों का गठन प्रतिबंधित रहेगा। संविधान के आर्टिकल 170 के अनुसार यह परिसीमन 2001 की जनगणना के आधार पर किया जाएगा।

हिमाचल में कांग्रेसियों की बैठक में खूब चले लात-घूसे

मंडी ,31 दिसम्बर 2022(ए)। एक ओर जहां कांग्रेसियों को एकजुट करने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा निकली है । भारत जोड़ो यात्रा अब तक कई राज्यों में अपनी यात्रा पूरी कर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंची है और वहां भी अपनी एकजुटता का परिचय दे रही है । लेकिन हिमाचल के नाचन में कांग्रेसियों की बैठक में चली लात घुसे ने एक बार फिर कांग्रेसियों की एकजुटता की पोल खोल दी।

दरअसल हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में बेशक कांग्रेस को बहुमत मिला और पार्टी ने सरकार बनाई, लेकिन मंडी जिले में कांग्रेस की करारी हार हुई । यहां पर जिले की दस विधानसभा सीटों में से कांग्रेस केवल एक सीट धर्मपुर पर ही जीत पाई हार पर मंथन को लेकर मंडी के नाचन विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पदाधिकारियों की मीटिंग बुलाई गई थी । लेकिन मंथन के बीच ही कांग्रेसियों के बीच मारपीट शुरू हो गई।

जानकारी के अनुसार, नाचन विधानसभा क्षेत्र के गोहर में यह बैठक थी । इसमें कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में मारपीट भी हुई । बैठक में मौजूदा और पूर्व प्रत्याशी सहित पूर्व में रहे टिकट के कई दावेदार मौजूद रहे।

इस दौरान नाचन से पहली बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके नरेश चौहान के एक समर्थक ने ईशारों ही ईशारों में पूर्व में प्रत्याशी रहे लाल सिंह कौशल को कई बातें सुना डाली. यहां तक कि पैसे खाकर पार्टी के लिए काम तक न करने की बात भी कह डाली. इस पर पूर्व प्रत्याशी लाल सिंह कौशल तैश में आ गए और उसके बाद दोनों गुटों के बीच ढिशूम-ढिशूम शुरू हो गई. यहां तक की कुर्सियों से भी प्रहार किए गए ।

घर में रखे पटाखों में विस्फोट, 3 महिला समेत 4 लोगों की मौत

तमिलनाडु ,31 दिसम्बर 2022(ए)। तमिलनाडु के नामक्कल जिले के एक घर में कथित तौर पर पटाखे रखे हुए विस्फोट में एक पटाखा दुकान के मालिक और तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गयी और इतने ही लोग घायल हो गये। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तड़के करीब चार बजे अचानक हुए इस विस्फोट से मोहनूर इलाके में एक घर क्षतिग्रस्त हो गया और आसपास के कुछ अन्य लोग घायल हो गये। करीब दो घंटे तक दमकल की गाडियों ने मशक्कत कर आग पर काबू पाया।

उक्त घर में कथित रूप से पटाखे रखे हुए थे। यह जानकारी पुलिस ने आज दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि लाइसेंस धारक तिल्लई कुमार (37) ने अपने घर में पटाखा क्यों रखा हुआ था। यह घटना तड़के करीब चार बजे हुई। तिल्लई कुमार, उसकी मां सेल्वी (57) और पत्नी प्रिया (27) की मौके पर ही मौत हो गई।'

उन्होंने बताया कि हालांकि, कुमार की चार साल की बेटी बाल-बाल बच गई। अधिकारी ने कहा कि विस्फोट के चलते कुमार के पड़ोस में रहने वाली 70 वर्षीय एक महिला की भी मौत हो गई। विस्फोट होने या मकानों को हुए नुकसान के कारण जलने या घायल होने वाले चार व्यक्तियों को इलाज के लिए नामक्कल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने किसी भी तरह की साजिश से इनकार करते हुए कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि विस्फोट बिजली के शॉर्ट-सर्किट से या फिर किसी मोमबत्ती से पटाखों में आग लगने की वजह से हुआ।

मुख्य सचिव को मिला एक साल का एक्सटेंशन

लखनऊ, 31 दिसम्बर 2022(ए)। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा को एक्सटेंशन मिल गया है। बता दें कि 31 दिसंबर 2021 को मिश्र का कार्यकाल खत्म हो रहा था लेकिन केंद्र सरकार ने उनको एक साल का सेवा विस्तार देकर यूपी का मुख्य सचिव बनाया था, जिसका कार्यकाल 31 दिसंबर 2022 को खत्म हो रहा था। एक बार फिर से उन्हें एक साल का सेवा विस्तार दिया गया है।

यूपी के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र 1984 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वह पिछले साल दिसंबर में 60 वर्ष के हो गए थे।यह पहला मौका है जब यहां किसी मुख्य सचिव को लगातार दूसरी बार सेवा विस्तार मिला है।

पत्नी अगर नहीं रहना चाहती है साथ तो पति को तलाक लेने का है अधिकारःहाईकोर्ट

बिलासपुर,31 दिसम्बर 2022(ए)। तमाम प्रयासों के बाद भी अगर वैवाहिक संबंधों को बनाए रखने के लिए पत्नी ने साथ रहने से इंकार कर दिया है तो पति को तलाक की अर्जी लगाने का अधिकार है। एक मामले में फैमिली कोर्ट के फैसले को पलटते हुए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने यह आदेश दिया है।

इस संबंध में की गई अपील में पति ने बताया कि नवंबर 2013 में उसकी शादी हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद पत्नी अपने मायके चली गई और फिर दोबारा नहीं लौटी। इस बीच वह पत्नी से मिलने के लिए जाता रहा। उसने उसे वापस लौटने के लिए तैयार करने की कोशिश की। पत्नी के लगातार इंकार करने के बाद उसने फैमिली कोर्ट में आवेदन लगाया। कोर्ट ने पति के वैवाहिक अधिकार की बहाली का आदेश दिया। कोर्ट के आदेश के अनुसार उसने पत्नी से फिर अनुरोध किया कि वह ससुराल आकर साथ रहे। पत्नी ने लगाया दहेज़ प्रताड़ना का आरोप इस बीच पत्नी ने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया और फिर उसने साथ रहने से इंकार कर दिया। इस पर पति ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी लगाई। फैमिली कोर्ट ने यह कहते हुए उसकी अर्जी नामंजूर कर दी कि उसने दांपत्य अधिकार की बहाली के लिए सकारात्मक प्रयास नहीं किए हैं।

आदेश के विरुद्ध अपील की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा कि फैमिली कोर्ट का यह कहना सही नहीं है कि दांपत्य के अधिकार की बहाली के लिए पति ने कोई कदम नहीं उठाया था। उसने पहला आवेदन इसी के लिए लगाया था कि पत्नी साथ में आ कर रहे। इसमें विफल होने के बाद उसने तलाक की अर्जी लगाई। परिवार न्यायालय के निष्कर्ष को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने पति को तलाक की अर्जी लगाने की छूट दे दी है।

नगर निगम क्षेत्र में झाड़ू लगाने वाली महिला बनी डिप्टी मेयर

पटना , 31 दिसम्बर 2022(ए)। बिहार के गया में हाल ही के नगर निकाय चुनाव परिणाम ने सभी को चौका दिया है और जीत के बड़े-बड़े दावे करने वाले दिग्गजों को एक सफाई कर्मचारी महिला ने करारा झटका दिया है। बिहार नगर निकाय चुनाव में गया के मतदाताओं ने अभूतपूर्व फैसला सुनाते 40 वर्षों तक गया नगर निगम क्षेत्र में झाड़ू लगाने वाली महिला को डिप्टी मेयर की कुर्सी पर बैठा दिया। कहा जाता है कि पूरे गया में स्वच्छता का संदेश देने वाली चिंता देवी अपने सिर पर मैला ढ़ोने का भी कार्य किया है। चिंता देवी भले पढ़ी लिखी नहीं हों, लेकिन पूरे क्षेत्र को स्वच्छता का ऐसा पाठ पढ़ाया कि लोग उनके मुरीद हो गए। चिंता पिछले 40 सालों से नगर निगम के सफाई कर्मी के रूप में काम कर रही थी। प्रतिदिन यह कचरा उठाने और झाड़ू लगाने का काम करती थीं। अब वे सब्जी बेचने का काम करती थीं, लेकिन इस बार गया नगर निगम का डिप्टी मेयर का पद आरक्षित होने के कारण चिंता देवी चुनावी मैदान में ताल ठोका और जनता का भरपूर समर्थन के साथ रिकॉर्ड मतों से विजय प्राप्त की।

गया के पूर्व डिप्टी मेयर मोहन श्रीवास्तव बताते हैं कि चिंता देवी ने गया में मैला ढोने का काम भी किया था। उन्होंने कहा कि मैला ढोने वाली महिला ने डिप्टी मेयर के पद का चुनाव जीतकर इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि शहरवासियों ने दबे कुचले का समर्थन कर उन्हें समाज में आगे बढ़ाने का काम करते हैं। श्रीवास्तव ने कहा जिस तरह भगवती देवी भी सिर पर टोकरी ढोकर सांसद बनी थी, अब चिंता देवी जो कि मैला ढोने वाली महिला के रूप में जानी जाती थी, अब डिप्टी मेयर के रूप में जानी जाएंगी। चिंता देवी ने निकिता रजक को 27 हजार से अधिक मतों से पराजित किया है। चिंता देवी के पति का स्वर्गवास हो चुका है, लेकिन शहर को स्वच्छ रखने का अपना कार्य कभी नहीं छोड़ी। उन्होंने अपने दायित्व का ईमानदारी से पालन किया और लोगों के दिलों में अपना स्थान बना लिया। आज इसी का परिणाम है कि लोगों ने डिप्टी मेयर की कुर्सी तक पहुंचा कर यह भी संदेश दे दिया कि लोकतंत्र में सफाई कर्मचारी भी सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। वर्ष 2020 तक चिंता देवी झाड़ू लगाती रहीं, उसके बाद जब वे सेवानिवृत्त हुईं तो सब्जी बेचने लगीं, लेकिन स्वच्छता को लेकर वे सजग रहीं। चुनाव में मिले समर्थन से भावविभोर चिंता कहती हैं कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यहां तक की यात्रा भी कभी तय करूंगी। वे कहती हैं कि लोग इतना मान देंगे, नहीं सोचा था। अपना काम करते रहें तो जनता भी सम्मान देती है। जिस कार्यालय में झाड़ू लगाने वाली के रूप में कार्यरत थीं, अब वहीं से बैठकर शहर की स्वच्छता के लिए योजनाएं बनाएंगी ।

एमपी सरकार के 11 करोड़ गबन करने वाले आरोपी गिरफ्तार

भोपाल , 31 दिसम्बर 2022(ए)। मध्यप्रदेश सरकार का 11 करोड़ का गबन करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने तहसील में नाजिर के पद पर रहते हुए इस गबन को अंजाम दिया था । उसने जिंदा लोगों को मृत बताकर सरकारी सहायता की करोड़ों रुपये की राशि का घोटाला किया था । पुलिस आरोपी से पूछताछ कर गबन की गई राशि को बरामद करने का प्रयास कर रही है. आरोपी ने मौज मस्ती के लिए यह गबन किया था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसके मरावी ने बताया कि गबन का यह मामला सिवनी की केवलारी थाना इलाके में हुआ था । 11 करोड़ रुपये से अधिक राशि के गबन के मामले के मुख्य आरोपी सचिन दहायत को केवलारी पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार किया है. मुख्य आरोपी सचिन दहायत केवलारी तहसील में नाजीर के छोटे से पद में पदस्थ है. आरोपी ने आकस्मिक मृत्यु होने पर शासन की ओर से योजना तहत दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि में 11 करोड़ से अधिक राशि का गबन किया गया था।

पुलिस आरोपी से गबन की राशि वसूलने का प्रयास कर रही है

मरावी ने बताया कि यह आरोपी जिंदा लोगों को मृत दर्शाकर और वर्षों पहले मर चुके लोगों के नाम पर क्षतिपूर्ति केस बना कर शासन की राशि का गोलमाल करता था। पुलिस ने बताया है आरोपी अय्याशी और अपने शौक पूरा करने के लिए यह फर्जीवाड़ा करता था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ रही है। पुलिस आरोपी की ओर से गबन की गई राशि को वसूल करने के प्रयास कर रही है। गबन के इस केस में कई लोगों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

279 जिंदा लोगों को मृत बताकर 11 करोड़ 16 लाख का गबन किया गया था

उल्लेखनीय है कि सिवनी जिले के केवलारी में हुआ यह घोटाला काफी समय से चर्चा में है। इस घोटाले में 279 जिंदा लोगों को मृत बताकर 11 करोड़ 16 लाख रुपए का गबन किया गया था। आरोपी ने सरकारी योजना में सेंध लगाकर बड़ी राशि हड़प कर सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगा डाला था। इस मामले में बाद में केवलारी के तहसीलदार हरीश लालवानी के निर्देश पर सहायक ग्रेड 3 कर्मचारी सचिन दहायत के खिलाफ पुलिस थाने में केस दर्ज कराया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से मुख्य आरोपी फरार हो गया था।

जनवरी में अलग-अलग राज्यों में 14 दिन बैंक रहेंगे बंद

नई दिल्ली , 31 दिसम्बर 2022(ए)। आज से नए साल की शुरुआत होने जा रही है। नए महीने और साल की शुरुआत के साथ ही कई बड़े बदलाव आते हैं जिसका पता आम लोगों को होना बहुत आवश्यक है। बैंक आम लोगों के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है. ऐसे में बैंक हॉलिडे होने पर लोगों के कई जरूरी काम अटक जाते हैं। महीने की शुरुआत होने से पहले यह पता होना बहुत जरूरी है कि कब-कब बैंक हॉलिडे है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक जनवरी 2023 में बैंक कुल 14 दिन बंद रहेंगे।

जनवरी के महीने में बैंक कितने दिन रहेंगे बंद?

इन 14 दिन की छुट्टियों में वीकेंड हॉलिडे भी शामिल है. ऐसे में अगर आपको जनवरी के महीने में बैंक से जुड़े जरूरी काम निपटाना है तो अवकाश की लिस्ट को पहले ही चेक करके एक दिन पहले ही अपने काम को कर लें। जनवरी के महीने में गुरु गोविंद सिंह जयंती, मकर संक्रांति, गणतंत्र दिवस आदि जैसे कई त्योहार मनाए जाएंगे । बता दें कि बैंकों की छुट्टियां हर राज्य में अलग-अलग होती है. यह लिस्ट राज्यों के त्योहार और प्रमुख जयंती के हिसाब से तय की जाती है। आइए जानते हैं कि जनवरी 2023 में किस-किस दिन बैंक में अवकाश रहेगा-

जनवरी 2023 में बैंकों में इस दिन रहेगा अवकाश

1 जनवरी 2023- रविवार (पूरे देश में बैंक हॉलिडे)

2 जनवरी 2023- नए साल में मिजोरम में बैंक रहेगा बंद

8 जनवरी 2023- रविवार

11 जनवरी 2023- बुधवार (मिशनरी डे पर मिजोरम में बैंक रहेंगे बंद)

12 जनवरी 2023- गुरुवार (स्वामी विवेकानंद जयंती पर पश्चिम बंगाल में बैंक हॉलिडे)

14 जनवरी 2023- मकर संक्रांति (दूसरा शनिवार)

15 जनवरी 2023- पोंगल/माघ बिहू/रविवार (सभी राज्यों की छुट्टी)

22 जनवरी 2023- रविवार

23 जनवरी 2023- सोमवार- (नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर असम में बैंक बंद रहेंगे)

25 जनवरी 2023- बुधवार (हिमाचल प्रदेश का राज्य दिवस के कारण अवकाश रहेगा)

26 जनवरी 2023- गुरुवार- (गणतंत्र दिवस के मौके पर पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे)

28 जनवरी 2023- चौथा शनिवार

29 जनवरी 2023- रविवार

31 जनवरी 2023- मंगलवार- (मी-दम-मी-फी के कारण असम में बैंक बंद रहेंगे)

बैंक हॉलिडे पर ऐसे निपटाएं काम

आपको बता दें कि जनवरी में बैंक हॉलिडे की भरमार है। ऐसे में अगर आपको इस महीने जरूरी काम निपटाना है तो इसके लिए आप नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग का यूज कर सकते हैं । आप एक खाते से दूसरे में पैसे आसानी से ऑनलाइन माध्यम से कर सकते हैं। इसके अलावा आप कैश निकाले के लिए एटीएम का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके साथ ही आप क्रेडिट, डेबिट कार्ड और यूपीआई के जरिए पेमेंट कर सकते हैं।

संपादकीय

चीन,चुनौती और चेतावनी

चीन से पेश आ रही चुनौती को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो कहा है, वह काबिल-ए-गौर है। बेहतर होगा कि सरकार उस पर ध्यान दे- हालांकि आज के माहौल में ऐसा सचमुच होगा, इसकी संभावना न्यूनतम है। राहुल गांधी ने मोटे तौर पर दो बातें कही हैं। पहली यह कि चीन और पाकिस्तान ने मिल कर अब एक मोर्चा बना लिया है। यानी जब कभी युद्ध होगा, तो भारत को इन दोनों देशों के खिलाफ एक साथ लड़ना होगा। दूसरी बात उन्होंने यह कही है कि चीन आर्थिक और तकनीकी रूप से लगातार मजबूत हो रहा है, जबकि भारत में आपसी झगड़े हैं, एक दूसरे खिलाफ नफरत है और भ्रम का माहौल है। दूसरी बात को सत्ताधारी पार्टी अपनी आलोचना समझेगी, इसलिए जाहिर है कि वह पहली बात पर भी ध्यान नहीं देगी। लेकिन यह हकीकत है कि अब दो ढाई मोर्चों (चीन, पाकिस्तान दो पूरे और आतंकवाद आधा) पर युद्ध की बात पुरानी हो चुकी है। पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर परियोजना के तहत चीन ने अपना इतना बड़ा स्वार्थ पैदा कर लिया है कि पाकिस्तान की रक्षा में उसका अपना हित शामिल हो गया है। उधर चीन से युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान को उसी समय अपने रणनीतिक हित साध लेने का मौका नजर आएगा।

इसलिए अगर कभी युद्ध हुआ, तो भारत की सेना को अरुणाचल से लद्दाख और राजस्थान से जम्मू-कश्मीर की सीमाओं पर एक साथ मोर्चा संभालना होगा। अगर भारत ने इस पूरे परिदृश्य को ध्यान में रख कर तैयारी नहीं की तो, जैसाकि राहुल गांधी ने आशंका जताई है, भारत को बड़ा नुकसान हो सकता है। अगर देश की आर्थिक और तकनीकी प्रगति की अवस्था देखें, तो सूरत और चिंताजनक नजर आती है। जब ऐसी चुनौतियां खड़ी हों, तब एक ही रास्ता बचता है कि पूरा देश चुनौती का सामना करने के लिए एकजुट संकल्प ले और उसके लिए हर कुर्बानी देते हुए तैयारी करे।

नए साल के सपने जो भारत को सोने न दें

हमने कई मौकों पर अपने सपने को टूटते हुए देखा है लेकिन फिर भी हम हर मुसीबत की स्थिति से मजबूत और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। स्वराज के महत्व को समझना चाहिए और इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से शुरुआत करनी चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को भी बेहतर भविष्य प्रदान कर सकें। धर्म के नाम पर कही गई बातों पर आंख मूंदकर विश्वास न करने, विवेक का पालन करने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। हम इस सपने तक पहुँचने से बहुत दूर हैं लेकिन हमें हार नहीं माननी चाहिए। मैं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के बेहतरीन उद्धरणों पर समाप्त करना चाहता हूं ÷सपने वह नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, बल्कि वह हैं जो आपको सोने नहीं देते।

आधी रात को, जब दुनिया सोती है, भारत जीवन और स्वतंत्रता के लिए जागेगा। जवाहरलाल नेहरू का यह ट्रिस्ट विद डेस्टिनी भाषण उस सपने का प्रतीक था जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने पूरा किया था। इसने हमें, भारत के लोगों द्वारा पालन किए जाने वाले अगले सपने का विजन भी दिया।

भारत के बारे में गांधी का दृष्टिकोण हमारे देश के आत्मनिर्भर विकास के लिए घरेलू औद्योगीकरण को बढ़ावा देना था। उनका विचार था कि ग्रामीण भारत भारत के विकास की रीढ़ है। यदि भारत को विकास करना है, तो ग्रामीण क्षेत्र का भी समान विकास होना चाहिए। वह यह भी चाहते थे कि भारत गरीबी, बेरोजगारी, जाति, रंग पंथ, धर्म के आधार पर भेदभाव जैसी सभी सामाजिक बुराइयों से मुक्त हो, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से निचली जातियों (दलितों) के खिलाफ अस्पृश्यता को समाप्त करे जिन्हें वह हरिजन कहते हैं।

ये दर्शन भारत के तत्कालीन समाज के सामाजिक स्तर को दर्शाते हैं। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भी हम अभी भी इन सामाजिक मुद्दों को भारत में कायम पाते हैं। हमारे संविधान की प्रस्तावना भारत को संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतंत्र देश के रूप में निर्दिष्ट करती है। आइए देखें कि इस परिभाषा को सच करने के लिए हमने भारत के नागरिक के रूप में अपने सपने को कैसे पूरा किया है। 100 वर्षों के स्वतंत्रता संग्राम के बाद हम इस सपने को साकार करने में सक्षम हुए हैं। शीत युद्ध के दौर में भी जब दो महाशक्तियां अमेरिका और सोवियत संघ एक-दूसरे का मुकाबला करने के लिए गठबंधन बना रहे थे, हमने अपनी संप्रभुता को बनाए रखने के लिए किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होने के लिए गुटनिरपेक्षता का विकल्प चुना। यद्यपि संयुक्त राष्ट्र द्वारा उपनिवेशवाद पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन नव-उपनिवेशीकरण के समान अंतरराष्ट्रीय दुनिया में अपनी जड़ें जमा रहा है।

नव उपनिवेशीकरण को अन्य राज्यों द्वारा राज्यों की नीतियों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण के रूप में परिभाषित किया गया है। हाल ही में हमने भारत और अन्य अविकसित देशों जैसे अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों को पेश करने और विकसित देशों से कृषि आयात के लिए बाजार को उदार बनाने के लिए दबाव देखा है। जीएम बीज कृषि का निजीकरण करते हैं और इस प्रकार मिट्टी की गुणवत्ता के साथ-साथ भारत के किसानों की सामाजिक स्थिति के लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा करते हैं। भारतीय मिट्टी के अनुकूल बीजों के विकास में अनुसंधान पर अमेरिका द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को लगातार निशाना बनाया गया है।

भारत की संप्रभुता के लिए खतरे का अन्य उदाहरण वैश्विक आतंकवाद के माध्यम से है। भारत 26/11 और पठानकोट में उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले का गवाह रहा है। बोडोलैंड की मांग के लिए असम अलगाववादी आंदोलन से भारत नक्सलियों और पूर्वोत्तर में उग्रवादियों से उग्रवादी गतिविधियों का भी सामना करता है। इन गतिविधियों से निर्दोष जीवन की हानि होती है और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है जिससे देश के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। इस सपने को जिंदा रखने के लिए हमें इन गतिविधियों के खिलाफ एकता दिखानी होगी। इंटरनेट पर एकाधिकार करने के लिए फेसबुक के खिलाफ भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के फैसले का उदाहरण भारत के लोगों द्वारा मजबूत सर्वसम्मत अस्वीकृति के कारण था।

हमारे पहले प्रधान मंत्री देश की योजना और विकास में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका के विचार के थे। उद्योगों का उदारीकरण 1991 के बाद ही हुआ, लाइसेंस राज खत्म हुआ। हाल ही में हमने भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के माध्यम से धन का प्रवाह देखा। अगर हम करीब से देखें तो हमने भारत के अधिकतम क्षेत्रों में 100त्न एफडीआई नहीं खोला है। बाजार का निजीकरण निस्संदेह गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के साथ समाज में सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धा प्रदान करता है। लेकिन अगर हम इसे अपनाते हैं, तो बाजार में केवल उन्हीं उत्पादों की आपूर्ति होगी जिनकी मांग है और जिससे वे अन्य आवश्यक आपूर्तियों की उपेक्षा करते हुए लाभ कमा सकते हैं।

साथ ही समाजवादी समाज का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के लिए समान परिणाम प्राप्त करना, नौकरियों में समान अवसर प्रदान करना, न्यूनतम मजदूरी प्रदान करना और भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को प्रदान करना है। वर्तमान में भारत गरीबी, अस्वस्थता, बेरोजगारी, भेदभाव के कारण दुर्व्यवहार, खराब शिक्षा आदि के कारण जागरूकता की कमी आदि से पीड़ित वंचितों की सबसे बड़ी संख्या वाला देश है। इन सामाजिक मुद्दों पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय रूप से संगठनों का गठन करते हुए हमें भारत के नागरिक के रूप में सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों को ईमानदारी से लागू करने में सक्रिय होना चाहिए।

भारत अनेकता में अपनी एकता पाता है। आजादी के बाद हुए साम्प्रदायिक दंगों के बाद भारत को यह बात समझ में आ गई कि किसी भी धर्म का पक्ष लेने से भारत को लंबे समय तक नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन आज भी हम समाज में धार्मिक घृणा पाते हैं। इतने सालों में हमने 1984 के सिख दंगों, 2002 के गोधरा कांड, 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों, बाबरी मस्जिद के विध्वंस और कई अन्य के रूप में सांप्रदायिक दंगे देखे हैं। धार्मिक राजनीति ने भारतीय राजनीति में अपनी जड़ें जमा ली हैं। बीफ खाने पर हालिया प्रतिबंध और %घर वापसी%, %लव जेहाद% आदि जैसे आंदोलन धर्मनिरपेक्षता के मूल मूल्यों के खिलाफ हैं। धर्म के नाम पर कही गई बातों पर आंख मूंदकर विश्वास न करने, विवेक का पालन करने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। हम इस सपने तक पहुँचने से बहुत दूर हैं लेकिन हमें हार नहीं माननी चाहिए। समाज को इन धार्मिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए अतार्किक कटौती का विरोध करना चाहिए।

इस संबंध में हम देख सकते हैं कि लोकतंत्र ने भारतीय समाज में अपनी जड़ें जमा ली हैं। संघों का सक्रिय गठन, चुनाव प्रक्रियाओं में भागीदारी में वृद्धि, विवादित परिदृश्यों का शांतिपूर्ण समाधान देश के दूर-दराज के हिस्सों में भी सक्रिय रूप से देखा जाता है।

असहिष्णुता को लेकर हाल के परिदृश्य ने एक बार फिर हमारे लोकतांत्रिक विश्वास की अटकलों को हवा दे दी है। हम लगातार ऐसी स्थिति देखते रहे हैं जहां हम पाते हैं कि लेखक के विचारों के लेखन के खिलाफ धर्म द्वारा फतवा जारी किया जाता है। फेसबुक पर पोस्ट के कारण लोगों को जेल में डाला जा रहा है। साथ ही हम अपने देश में जाति आधारित राजनीति, धर्म आधारित राजनीति देखते हैं। राष्ट्रीय दल लोकतंत्र का कुरूप चेहरा दिखाते हुए लगातार गंदी राजनीति कर रहे हैं।

लोकतंत्र वह शक्ति है जो लंबे ऐतिहासिक संघर्ष के बाद मिली है। हमें समाज की अज्ञानता को स्वतंत्रता के रूप में हमें मिले सर्वोत्तम उपहार को छीनने नहीं देना चाहिए। गणतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हम अपने संविधान में सर्वोच्चता मानते हैं। 1976 के आपातकाल के समय हमारे संविधान को चुनौती का सामना करना पड़ा। प्राधिकरण द्वारा उनके व्यक्तिगत भविष्य के हित के लिए इसमें बड़े पैमाने पर संशोधन किया गया है। लेकिन जल्द ही सरकार ने देश के नागरिकों के कड़े विरोध को देखा और संविधान में निहित शक्ति को महसूस किया।

इतने सालों के बाद हमने 105 बार संविधान में संशोधन किया है। प्राधिकारियों में निहित कई शक्तियों की फिर से जाँच की गई है और शासन के कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं, उदाहरण के लिए पंचायती राज आदि। न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और स्वतंत्र निकायों में निहित संतुलित शक्ति ने नागरिकों को प्रभावी ढंग से शासन में योगदान करने में मदद की है। संविधान द्वारा प्रदत्त न्याय की इस भावना को कभी नहीं भूलना चाहिए। इस मशीनरी के प्रभावी ढंग से प्रसंस्करण में विश्वास रखना चाहिए।

हमने कई मौकों पर अपने सपने को टूटते हुए देखा है लेकिन फिर भी हम हर मुसीबत की स्थिति से मजबूत और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। स्वराज के महत्व को समझना चाहिए और इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से शुरुआत करनी चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को भी बेहतर भविष्य प्रदान कर सकें। मैं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के बेहतरीन उद्धरणों पर समाप्त करना चाहता हूं ÷सपने वह नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, बल्कि वह हैं जो आपको सोने नहीं देते÷।

मंगल हो नववर्ष
मिटे सभी की दूरियाँ, रहे न अब तकरार।
नया साल जोड़े रहे, सभी दिलों के तार।।
बाँट रहे शुभकामना, मंगल हो नववर्ष।
आनंद उत्कर्ष बढ़े, हर चेहरे हो हर्ष।।
माफ करो गलती सभी, रहे न मन पर धूल।
महक उठे सारी दिशा, खिले प्रेम के फूल।।
छोटी सी है जिंदगी, बैर भुलाये मीत।
नई भोर का स्वागतम, प्रेम बढ़ाये प्रीत।।
माहौल हो सुख चैन का, खुश रहे परिवार।
सुभग बधाई मान्यवर, मेरी हो स्वीकार।।
खोल दीजिये राज सब, करिये नव उत्कर्ष।
चेतन अवचेतन खिले, सौरभ इस नववर्ष।।
आते जाते साल है, करना नहीं मलाल।
सौरभ एक दुआ करे, रहे सभी खुशहाल।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा भिवानी, हरियाणा

नववर्ष

प्रेमा पटेल
वाराणसी
उत्तरप्रदेश

उत्साही हम आज हो।
सफल सब काज हो।
कोई न नाराज़ हो।
ठीक सब समाज हो।
काम न व्यर्थ हो।
करने में समर्थ हो।
पास मेरे अर्थ हो।
अनीति न अनर्थ हो।
सबका विकास हो।
हास परिहास हो।
दुखों का नाश हो।
दुष्टों का विनाश हो।
कार्य सब पूर्ण हो।
कुछ न अपूर्ण हो।
नया सब रुप हो।
कोई न कुरुप हो।
सब की प्रगति हो।
ठीक सब मति हो।
बात नहीं अति हो।
पास मेरे पति हो।
सबके मन हर्ष हो ।
सबका उत्कर्ष हो।
नहीं अपकर्ष हो।
कार्य सब सहर्ष हो।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

तवारीख

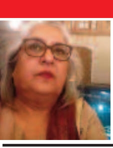

जयश्री
बिरमी
अहमदाबाद
गुजरात

फट जाता हर महीने एक पन्ना
अपनी तवारिख का हर महीना
एक कटा रह गए थे ग्यारह
कुछ एहसासों से थे बाहर
दूसरा कटा रह गाएं थे दस
फिर भी नहीं हो रहा था बस
फिर गए बीत दिन थे इकत्तीस
रह गए थे अब नौ सिर्फ
बीत जाते दिन कट जाते पन्ने
अब क्यो नहीं रुक जाते पन्ने
फिर गए दिन फिर से तीस
अब रह गए सिर्फ आठ
पढ़ाते हमें जीवन के पाठ
चल पड़ी समय की नैया
बीत गए फिर से दिन तीस
रह गए पन्ने फिर सात
देते गए समय को मात
ओर दिन बीते फिर से तीस
रह गए पन्ने फिर से छः
समय की सीमा गई ढह
बीते दिन फिर से तीस
रह गए थे अब पन्ने चार
पूरे होने में रह गई न राह
मत पूछो अब मेरे भाई
बीते फिर से दिन गए तीस
रह गए अब पन्ने सिर्फ तीन
फिर बह गए थे दिन तीस
पन्ने रह गए थे सिर्फ दो
पतला हो गया बिलकुल कैलेंडर
लगे महीने जैसे डूबे बीच समुंदर
फिर बीत गए दिन तीस
रह गया पन्ना सिर्फ एक
फटा नहीं वह पन्ना
पूरा कैलेंडर दिया फेंक
अब बहुत हुआ है भाई
नया कैलेंडर लाओ भाई

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कैसे होता है विदेशों में नव वर्ष का स्वागत?

दुनियाभर में लगभग हर देश में लोग अपनी-अपनी परम्पराओं के अनुसार एक-दूसरे को नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं और कुछ देशों में तो इस अवसर पर राजकीय स्तर पर शाही कार्यक्रमों व समारोहों का विशेष आयोजन भी होता है लेकिन विभिन्न देशों में नव वर्ष का स्वागत करने के तौर-तरीके काफी विचित्रता एवं रोचकता लिए हुए हैं। अमेरिका में नव वर्ष का स्वागत बड़े उत्साह के साथ किया जाता है। यहां नव वर्ष के स्वागत तथा अभिनंदन के लिए मुख्य समारोह वाशिंगटन में व्हाइट हाउस में आयोजित किया जाता है। इसके अलावा देशभर में जगह-जगह पर नव वर्ष के स्वागत के लिए रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होते है। नववर्ष के पहले दिन सार्वजनिक अवकाश रहता है। युवक-युवतियों की जोड़ियां पूरी-पूरी रात घर से बाहर होटलों, रेस्तरां या क्लबों में जश्न मनाती हैं। लोग गिरिजाघरों में जाकर ईसामसीह की याद में परम्परागत अमेरिकी धुन पर प्रार्थनाएं करते हैं और समस्त मानव जाति के लिए मंगलकामना करते हैं। यहां कुछ स्थानों पर नव वर्ष के अवसर पर काली आंखों वाली मटर खाने की परम्परा भी है।

ब्रिटेन में नव वर्ष के स्वागत के लिए मुख्य समारोह लंदन में आयोजित होता है। इस मौके पर देशभर में अनेक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। नववर्ष के आगमन पर देशवासी ईसा मसीह की याद में प्रार्थना सभाएं करते हैं और इसके बाद लोग अपने खास दोस्तों व परिवार के लोगों के साथ होटलों में जाकर नाचते-गाते हैं और शराब पीकर जश्न मनाते हैं। यहां यह विचित्र परम्परा भी प्रचलित है कि परिवार का मुखिया इस दिन डाइनिंग टेबल पर एक गर्म पेय से भरा कटोरा रखता है, जिसमें से परिवार का हर सदस्य एक-एक चम्मच भरकर अपने मुंह में डालता है। इस बारे में मान्यता है कि ऐसा करने से उनका पूरा साल स्वास्थ्य व समृद्धि की दृष्टि से अच्छा रहता है।

तिब्बत में नव वर्ष का उत्सव वर्ष का सबसे बड़ा त्यौहार होता है। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर खूबसूरत लड़कियां अपने हाथों में मशाल थामे दहकते अंगारों पर नंगे पैर नृत्य करती हैं और कुछ जगहों पर युवक अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर आपस में तलवारबाजी भी करते हैं। तिब्बत की राजधानी ल्हासा के राजमहल में लामा लोग अपने चेहरों पर अलग-अलग आकृतियों वाले बड़े-बड़े मुखौटे लगाकर 'दानव नृत्य' करते हैं। दानव नृत्य के अलावा 'ठठरी नृत्य' तथा ऐसे ही कुछ अन्य नृत्यों का भी आयोजन होता है। इन नृत्यों के आयोजन के संबंध में मान्यता है कि ऐसा करने से उनका नया वर्ष सुख-समृद्धि, सम्पन्नता और खुशहाली से बीतता है।

जापान में नव वर्ष के स्वागत के लिए राजधानी टोक्यो में विशेष कार्यक्रम आयोजित होता है। खुशी के इस अवसर पर परम्परागत नृत्यों सहित अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं, जिनका सभी देशवासी लुत्फ उठाते हैं। यहां नव वर्ष का उत्सव पांच दिन तक चलता है। नव वर्ष के अवसर पर लोग अपने घरों को बांस तथा चीड़ की लकड़ियों से सजाते हैं तथा घर में तरह-तरह के व्यंजन बनाते हैं। इस दिन कमल की जड़ के साथ चावल के बने व्यंजन खाना शुभ माना जाता है क्योंकि मान्यता है कि ऐसा करने से उनकी उम्र बढ़ती है।

जर्मनी में नव वर्ष के स्वागत के लिए राजधानी बर्लिन में विशेष समारोह आयोजित होता है, जिसमें हर तरह के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं और देशवासी परम्परागत नृत्यों का भी भरपूर आनंद लेते हैं। प्रचलित परम्परा के अनुसार नव वर्ष के मौके पर पिता अपनी पुत्रियों को एक हजार पिन या उनकी कीमत के बराबर कोई उपहार देता है। ऐसा करना यहां सुख-समृद्धि एवं सौभाग्य का सूचक माना जाता है। बेटियों को पिन भेंट करने की प्रथा के कारण ही इस मौके को यहां 'पिनपिनी' के नाम से भी जाना जाता है।

बर्मा में 'तिजान' नामक नववर्ष उत्सव तीन दिन तक चलता है। लोग भगवान बुद्ध की प्रतिमाओं पर सुगंधित जल का छिड़काव कर पूजा-अर्चना करते हैं और उसके बाद मिठाईयां बांटकर एक-दूसरे को नए साल की बधाई देते हैं। दक्षिण अफ्रीका में भी नव वर्ष के अवसर पर देशभर में रंगारंग कार्यक्रमों व परम्परागत नृत्यों का सिलसिला चलता है तथा नववर्ष के आगमन की खुशी में मछली का बना एक विशेष प्रकार का भोजन तथा चावल आपस में बांटने की परम्परा है।

वेटिकन सिटी में इस अवसर पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम होते हैं और नव वर्ष के प्रारंभ होने की प्रार्थना के बाद पोप लोगों को विश्व शांति का संदेश देते हैं।

स्पेन में नववर्ष के आगमन के साथ ही ठीक 12 बजे बारह ताजे अंगूर खाने की परम्परा है ताकि वर्ष के पूरे बारहों महीने वे स्वस्थ रहें।

इटली में लोग इस मौके पर रंग-बिरंगे नए कपड़े पहनकर घूमते हैं और एक-दूसरे को नव वर्ष की बधाई देते हैं। हमारे यहां प्रचलित होली के त्यौहार की भांति यहां नव वर्ष के अवसर पर एक-दूसरे पर सादा जल डालने की परम्परा है, जिसे 'छपाका' कहा जाता है। दरअसल लोगों का विश्वास है कि छपाका उन्हें वर्ष पर्यन्त स्वस्थ बनाए रखता है।

चीन में राजधानी बीजिंग सहित सभी नगरों, कस्बों व गांवों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यहां प्रचलित परम्परा के अनुसार नव वर्ष पर लोग रात्रि के समय पैसों का पेड़ बनाकर उसे पुराने सिक्कों व फूलों से सजाते हैं क्योंकि ऐसी धारणा है कि ऐसा करने से पूरा साल उनके यहां धन की वर्षा होगी।

स्कॉटलैंड में नववर्ष की पूर्व संध्या पर लोग अपने-अपने घरों में एक ही कमरे में एकत्रित होकर आने वाले मेहमान की प्रतीक्षा करते हैं और मेहमान के आते ही उसका खूब आदर-सत्कार करते हैं। नववर्ष के पहले दिन को यहां 'डेसले डे' के नाम से जाना जाता है।

यूगोस्लाविया के आदिवासी बहुल इलाके बंका में इस विशेष अवसर को लोग बहुत उत्साह के साथ मनाते हैं। यहां के आदिवासियों द्वारा अपने खास दोस्तों के साथ इस अवसर पर अपनी-अपनी पत्नियों की पांच दिनों के लिए एक-दूसरे से अदला-बदली करने की भी परम्परा है।

दक्षिण अफ्रीका के कुछ भागों में प्रचलित विचित्र परम्परा के अनुसार नवविवाहित दम्पति को इस दिन खूंखार सांड से लड़ने के लिए छोड़ दिया जाता है और दम्पति इस सांड को मारकर अपने इष्टदेव को चढ़ाते हैं। ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से इष्टदेव की कृपा से जीवन भर वे रोगमुक्त रहते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

कुंठित नारी मनःकामों से रिटायरमेंट क्यों नहीं?

अपनों की बेरुखी, अधिकारों का हनन, दोषारोपण गलत समझ में जाने के लिए मान सम्मान में कमी! यह सभी नारी के कोमल मन को आहत करते चले जाते हैं। धीरे धीरे उम्र के साथ यही कुंठा आक्रामक रूप धरने लगती है। वक्त रहते नारी मन यह थाह को समझकर ही इसे दूर किया जा सकता है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं के हार्मोन में परिवर्तन आता है और साथ ही घर के लोगों के गलत व्यवहार से नारी मन टूट जाता है और अपनी सुरक्षा के लिए वह एक आवरण बना लेती है और सामने जो कोई भी व्यक्ति दिखता है उस पर वह अपना गुस्सा उतार देती है। बड़ी उम्र की महिलायें अक्सर अपने पोते-पोती को खरी-खोटी सुना देती है आखिर उम्र बढ़ने के साथ महिलायें आक्रामक क्यों हो जाती हैं? ऐसा क्यों होता है? इसे क्या कहें उम्र का तकाजा! या बरसों से दबा छिपा आक्रोश, कोई बीमारी या फिर ना जाने कितनी अपेक्षाओं का प्रत्यावर्तन!

घर परिवार की नारी एक धुरी होती है वह अपनी उदारता से समझदारी से जिम्मेदारियों को निभाती चली जाती है पारिवारिक रिश्तों को निभाते हुए बच्चों के लालन पोषण करते हुए सामाजिक व पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते करते हुए कुछ तो स्वभाव से और कुछ समाज की अपेक्षाओं के चलते अति संवेदनशील बन जाती है। वैसे भी इनसे परिवार को जोड़े रखने के लिए संवेदनशील बने रहने की उम्मीद भी की जाती है। वह अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कभी भी पीछे नहीं हटती लेकिन उम्र के मोड़ पर आते-आते उनके मन की सुध लेने के लिए किसी के पास वक्त नहीं रहता है और यही सब आक्रोश के रूप में बाहर निकलता है। महिलायें जिंदगी भर एक एक तिनका जोड़ कर बनाए गए घोंसले में अपने पति और बच्चों के साथ एक भरे पूरे माहौल में जीना चाहती है पर बच्चे अपनी अपनी जिंदगी की व्यस्तता में इतने उलझ जाते हैं और पति भी अपने कामों में व्यस्त रहते हैं तो ऐसे में खुद को खाली घोंसले में देखकर सिवाय चिड़चिड़ाहट के महिलाओं के पास कुछ नहीं रह जाता है। जिंदगी भर वह अपनों के लिए मरती खपती है लेकिन जब उन सभी त्याग और संघर्ष का प्रतिफल का वक्त आता है तो तस्वीर का रुख बदल जाता है पूरे घर पर अपना साम्राज्य चलाने वाली माँ को बहू के आने पर अपने हाथ से छूटते सभी अधिकार तोड़ते से चले जाते हैं। जो बेटा कल तक माँ से हर बात पूछ कर चलता था अब बहू के कहे अनुसार सब कुछ करता है। पति महोदय को भी अपने दोस्तों घूमने फिरने सामाजिक कार्य से फुर्सत नहीं मिलती कि पत्नी का हाल-चाल पूछे! बच्चों की भी अपनी दुनियाँ होती है जिनके पास बुजुर्गों के लिए कोई जगह नहीं! ऐसे में महिलाओं को अकेलापन काटने को दौड़ता है हर तरफ की उपेक्षा मन को कुंठित कर देती है धीरे-धीरे यही तनाव उग्र रूप ले लेता है और वे आक्रामक रुख अख्तियार कर लेती हैं। ऐसे में रिश्तो में कड़वाहट और बिखराव आ जाता है ऐसे कई केस है जहां पति को 60 साल की उम्र के बाद भी अपनी जीवनसंगिनी में कई कमियाँ नजर आने लगती हैं पत्नी जहां पूजा-पाठ सत्संग आदि में रुचि लेने लगती है वही पति नई नवेली दुल्हन को घर लाने में भी नहीं हिचकिचाते और अपनी बेटी की उम्र की लड़की से शादी करके उसे घर ले आते हैं। ऐसी घटनायें इसलिए उनको आक्रामक रूप से उग्र बना देता है।

उम्र भर घर परिवार की जिम्मेदारियों के बीच घिसती पिसती घरेलू हिंसा का शिकार होती महिलायें पत्थर की चुकी हैं मन में बरसों से दबा आक्रोश तलाक की अर्जी के लिए रूप में निकलने लगा है। हर वक्त तनाव, एक दूसरे पर दोषारोपण, पति का दूसरी औरत के साथ अफेयर आज एक आम घटना बन रही है इसलिए महिलाओं में आक्रोश की भावना आ जाती है। पुरुषों की मनमानी के विरुद्ध आज महिलायें उठ रही है नारी का हर वक्त शांत और धैर्यशील बने रहने का सामर्थ्य इस मोड़ पर अब चूकने लगा है। पुरुष तो उम्र भर सयाने ही रहते हैं पहले परिवार के स्वामी के रूप में सब कुछ उसकी मर्जी से चलता है तो बुढ़ापे में एकदम शांत होकर में अपनी सेवा करवा लेता है, लेकिन औरत के लिए यह स्वीकार कर पाना शायद सम्भव नहीं होता कि बड़ी मेहनत से बसाई गृहस्थी से उसे हाशिए पर ले जाया जाए और बुढ़ापे में भी उसे यह उम्मीद रखी जाए कि वह यूं ही बेकार ना बैठे कुछ काम करती रहे! पुरुष तो नौकरी से रिटायर होता है पर स्त्री को घर गृहस्थी से कभी रिटायरमेंट नहीं मिलती है। उम्र भर मेहनत करते रहना और उस पर भी मान सम्मान से वंचित होकर हमेशा गलत करार दिए जाने की नियति भोगते हुए वह चिड़चिड़ी आक्रामक हो जाए और उसका गुस्सा भी बढ़ जाए तो अचंभे वाली बात नहीं है। अधिक उम्र में होने बाली इस मानसिक परिवर्तन के कारणों को गंभीरता से लेना चाहिए स्त्रियों की मन की सारी गिरह को तभी खोला जा सकता है जब उससे प्रेम पूर्वक व्यवहार किया जा सके और उसे इससे अवसाद भरे माहौल से निकाला जा सके। पुरुषों को भी यह बात सोचनी चाहिए कि जो जीवन भर साथ रहने वाले जीवनसंगिनी अचानक आक्रामक हो रही है तो इसकी वजह आसपास का माहौल और आपका गलत व्यवहार है। इस समस्या का समाधान तभी हो सकता है जब उसे सबका साथ मिले ताकि जीवन की सांझ बेला में भी महिलायें जीवन भर संवेदनशील बनी रहे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पूजा गुप्ता
मिर्ज़ापुर
उत्तर प्रदेश

नेपाल की नई सरकार और भारत

कम्युनिस्ट पार्टी नेपाल-माओवादी सेंटर (सीपीएन-एमसी) के मुखिया पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड नेपाल के नये प्रधानमंत्री होंगे। रविवार को तेजी से बदले सियासी घटनाक्रम में उस वक्त नाटकीय मोड़ आ गया जब गठबंधन सरकार में शामिल प्रंचड पा ला बदल कर ओली के खेमे में चले गए थे। दोनों नेताओं के बीच सरकार निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री पद के लिए प्रचंड के नाम की सहमति बनी। प्रचंड तीसरी बार नेपाल के पीएम बन रहे हैं। पहली बार 2008-09 और दूसरी बार 2016-17 तक नेपाल के पीएम रह चुके हैं।

नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा के लिए नवम्बर में चुनाव हुए थे। चुनाव नतीजों में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला। मौजूदा प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस को सबसे अधिक 80 सीटें मिलीं। ओली की पार्टी को 78 सीट और प्रचंड की पार्टी को महज 30 सीटें मिली हैं। इसके बावजूद वे नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन में पहले ढाई साल के लिए पीएम बनना चाहते थे। दूसरी ओर, नेपाली कांगेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सरकार का नेतृत्व करने पर अड़ी हुई थी। उधर, राष्टपति बिद्या देवी भंडारी द्वारा प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए निर्धारित समय सीमा रविवार को शाम पांच बजे समाप्त हो रही थी। देउबा के साथ बातचीत विफल होने के बाद प्रचंड प्रधानमंत्री पद के समर्थन के लिए कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनाइटेड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के निजी आवाज पर पहुंचे जहां दोनों नेताओं के बीच सरकार निर्माण के फार्मूले पर सहमति हुई। सहमति की शर्त के मुताबिक सीपीएन-यूएमएल समेत छह पार्टियों के समर्थन से प्रचंड पहले ढाई साल के लिए नेपाल की कमान संभालेंगे और अगले ढाई साल के लिए सीपीएन-यूएमएल के नेता केपी शर्मा ओली नेपाल के पीएम होंगे। प्रचंड के ओली के गठबंधन में शामिल होने के बाद नेपाल की तीनों प्रमुख कम्युनिस्ट पार्टियों के नेता प्रचंड, ओली और माधव कुमार नेपाल एक खेमे में आ गए हैं। प्रचंड और ओली, दोनों भारत विरोधी माने जाते हैं। ऐसे में सवाल है कि आने वाले दिनों में भारत-नेपाल संबंध किस दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह सवाल इसलिए वाजिब लग रहा है क्योंकि अपने प्रचार अभियान के दौरान ओली कह चुके हैं कि अगर वे सत्ता में आते हैं, तो भारत के क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को वापस लेकर आएंगे। ये क्षेत्र सदियों से भारत के पास हैं। अब प्रचंड के साथ ओली सत्ता में हैं, तो निश्चित ही चुनावी वादा पूरा करने के लिए भारत के साथ तनाव को हवा देंगे। दूसरा, ओली की चीन परस्ती पहले से ही जग जाहिर है। हालांकि, नेपाली कांग्रेस के साथ काम करते हुए प्रचंड के भारत विरोध रुख में बदलाव आया है। फिर भी सवाल तो परेशान करता ही है कि अगर प्रचंड का चीन प्रेम जाग उठा तो भारत, नेपाल के रास्ते आने वाली रणनीतिक चुनौतियों से कैसे निबट सकेगा। नवम्बर, 2019 में जब नेपाल में ओली की सरकार थी, उस वक्त कालापानी इलाके पर नेपाल ने दो टूक कह दिया था कि भारत को इस क्षेत्र से अपनी सेना हटा लेनी चाहिए। उस वक्त भी सवाल उठा था कि ओली की आक्रामक भाषा के पीछे कहीं चीनी मनसूबे तो काम नहीं कर रहे।

-डॉ. एन. के. सोमानी-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

नए वर्ष में तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ कानून व्यवस्था कायम रखेगी सरगुजा पुलिस

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 31 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग के सतत मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के निर्देशन में सरगुजा पुलिस द्वारा नए वर्ष में कानून व्यस्था के सुचारू संचालन एवं किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम हेतु शनिवार को रक्षित केंद्र अम्बिकापुर में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों को ब्रीफिंग कर सजग एवं सतर्क रहकर ड्यूटी करने हेतु निर्देशित किया गया। ब्रीफिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार शघन पेट्रोलिंग कर कानून व्यवस्था कायम रखने हेतु निर्देशित किया गया। प्रत्येक पेट्रोलिंग पार्टी एवं फिक्स पकेट को नशे में वाहन चलाने वालों, हुड़दंग करने वालों एवं देर रात तक डीजे के माध्यम से शोर शराबा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। पेट्रोलिंग पार्टी द्वारा शहर के भीड़ भाड़ के इलाकों में लगतार भ्रमण किया जाएगा, नए वर्ष में कानून व्यवस्था कायम रखने में महिला गश्ती दल को भी प्रमुख जिम्मेदारी दी गई है। महिलाओं से सम्बंधित मामलों में महिला गश्ती दल अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी। नव वर्ष में आमनागरिकों की काफी संख्या को देखते हुए सभी प्रमुख मार्गों, चौक चौराहों, मंदिरों तथा पार्कों में पुलिस बल की पर्याप्त उपलब्धता रखने की जानकारी दी गई। आमनागरिक किसी भी प्रकार की समस्या में सरगुजा पुलिस के डायल 112 एवं अभिव्यक्ति ऐप के माध्यम से अपनी सूचना दर्ज करा सकते हैं। सरगुजा पुलिस द्वारा नए वर्ष में सड़क दुर्घटना से होने वाली जनहानी की रोकथाम के उद्देश्य से सभी मार्गों में पुलिस बल को ब्रेथ ऐनालाइजर के माध्यम से सभी वाहन चालकों को चेक करने एवं नशे में वाहन चलाने वालों पर विधिवत कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। सड़क सुरक्षा के मामलों में त्रिनेत्र हेल्पलाइन नंबर 9627344000 के माध्यम से आमनागरिक कर सकते अपनी सूचना दर्ज करा सकते हैं। पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा जिलेवासियो को नये वर्ष की शुभकामनायें दी गई हैं, एवं स्वयं को एवं अपने परिजनों को सुरक्षित रहकर नये वर्ष का स्वागत करने हेतु अपील जारी की गई हैं।

ब्रीफिंग के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, अनुविभागिय अधिकारी पुलिस (ग्रामीण) अखिलेश कौशिक, उप पुलिस अधीक्षक यातायात कामता सिंह दीवान, यातायात उप पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ईमानवल लकड़ा, उप पुलिस अधीक्षक महालक्ष्मी कुलदीप, थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक कलीम खान, थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग, मणिपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सरफराज फिरदौशी शामिल रहे।

वर्ष 2022 को कहा अलविदा, 2023 के स्वागत का जश्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 31 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

नूतन वर्ष के स्वागत का दौर शनिवार की शाम से ही शुरू हो गया। देरशाम तक शहर के विभिन्न हिस्सों में नए साल के स्वागत की पार्टियां शुरू हो गई। लोग अपने अपने तरीके से नए साल का स्वागत करने में जुटे थे। उपहारों, फूलों के गुलदस्ते और मिठाई देकर लोगों को नए साल की बधाई दी गई। साल 2022 को अलविदा कह नए साल 2023 का जश्न मनाने का दौर शुरू हो गया है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। नए साल के स्वागत के लिए युवाओं-बच्चों में खासा उत्साह है। साल 2022 के अंतिम दिन पिकनिक स्पॉट्स पर लोगों की भीड़ उमड़ी, यहां उन्होंने जमकर मस्ती की।

वहीं नए साल के पहले दिन भी यही स्थिति रहने वाली है। इधर 31 दिसंबर से ही शहर सहित पिकनिक स्पॉट्स पर पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मैनपाट में भी दूर-दराज से सैलानी नए साल पर घूमने आ रहे हैं। बीते वर्ष 2022 को विदा कर वर्ष 2023 के स्वागत को लेकर शहर से लेकर गांव तक लोग अपने-अपने तरीके से जश्न में डूबे हुए हैं। साल के आखिरी दिन पिकनिक स्पॉट्स पर लोगों की भीड़ देखने को मिली। वहीं शहर में भी युवाओं ने केक काटकर व अन्य कार्यक्रमों के जरिए नए साल का स्वागत पूरे उत्साह के साथ किया। साल के आखिरी दिन जैसे-जैसे शाम ढलती गई,लोगों का उत्साह बढ़ता ही गया। विशेषकर युवा नए साल के स्वागत में अपनी ही धुन में नजर आए। वर्ष 2022 के विदाई के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम एवं कानून व्यवस्था तथा शहर में सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने हेतु पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के नेतृत्व में फ्लैग मार्च किया गया। 31 दिसंबर के रात्रि में वर्ष के अंत में एवं नव वर्ष 2023 के आगमन के अवसर पर शहर के विभिन्न स्थानों में कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस हेतु सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस लाइन, थाना कोतवाली, थाना गांधीनगर, चौकी मणिपुर एवं यातायात के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पुलिस लाइन से निकलकर थाना चौक, महामाया चौक ,सदर रोड, अग्रसेन चौक, बिलासपुर चौक, दरी पारा, पुराना बस स्टैंड , सतीपारा होते हुए शहर के अन्य स्थानों पर भ्रमण किया गया एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अपनी उपस्थिति दर्ज कराई गई। पुलिस विभाग द्वारा आग्रह किया गया है कि तीन सवारी, तेज चलाने वाले वाहन, और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के ऊपर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, अत- जन सामान्य से इस प्रकार की अपेक्षा है कि वह ऐसा ना करें इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी कोतवाली रूपेश नारंग, गांधीनगर कलीम खान, मणिपुर चौकी प्रभारी सरफरात फिरदौसी शामिल रहे। रविवार को नए साल के पहले दिन गार्डन्स के साथ ही मंदिरों में भीड़ रहेगी। लोग अपने दिन की शुरुआत देव दर्शन के साथ करेंगे। इससे शहर के महामाया मंदिर, देवी मंदिर, साईं मंदिर में लोग दर्शन करने पहुंचेंगे। वहीं मुस्लिम समाज के लोग मस्जिद व ईशाई समाज के लोग गिरजाघरों में प्रार्थना कर नए साल की शुरूआत करेंगे। इसके बाद पार्टी और पिकनिक का दौर चलेगा। वहीं शहर के गार्डन, पार्क, पिकनिक स्थल भीड़ रहेगी। लोग परिवार के साथ नए साल के पहले दिन को खास बनाने जश्न मनाएंगे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बतौली थाना का किया औचक निरीक्षण

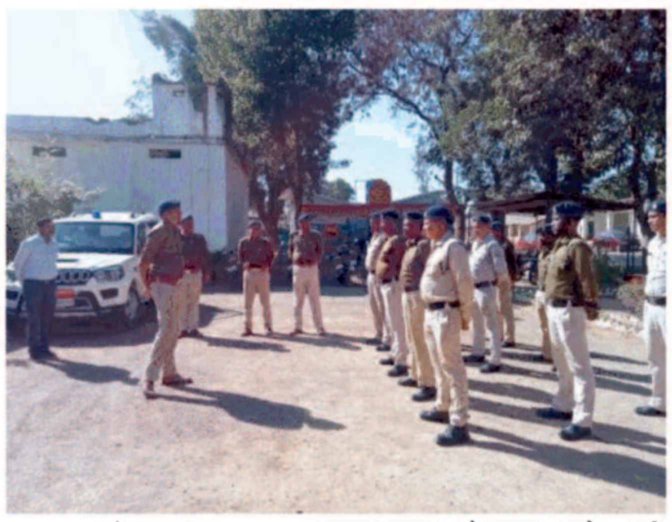

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 31 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला द्वारा थाना बतौली का आकस्मिक निरीक्षण कर थाना प्रभारी को वर्ष के अंतिम मे क़ानून व्यवस्था को कायम रखने समेत कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा थाना प्रभारी बतौली को प्रत्येक गाँव के नागरिकों को सरगुजा पुलिस के सोशल मीडिया से जोड़कर बीट सिस्टम को प्रभावी तौर पर लागु कर जनजागरूकता के माध्यम से अपराध नियंत्रण करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान थाना छेत्र के गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश एवं माफ़ी बदमाश की लगातार चेकिंग करने, तथा जिस निगरानी बदमाश कि उम्र अधिक हो गई हैं उसका माफ़ी बदमाश मे तब्दील करने, जिन आरोपियों द्वारा थाना छेत्र मे लगातार अपराध किये जा रहे हैं, उनके विरुद्ध निगरानी खोलने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी बतौली को महिला सम्बन्धी अपराधों मे त्वरित कार्यवाही करने, शिकायतों का त्वरित निराकरण करने, गुम इंसान की पत्तासाजी हेतु कायमी के साथ साथ इस्तेहार जारी कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी बतौली उप निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय समेत बतौली थाना के समस्त स्टाप उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश के बाद शुलभता से बन रहे बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण-पत्र

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 31 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

कलेक्टर सरगुजा कुंदन कुमार के निर्देशन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सरगुजा विश्वदीप एवं आयुक्त, नगर पालिक निगम अंबिकापुर प्रतिष्ठा ममगई के मार्गदर्शन में समग्र शिक्षा अभियान, स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयास से 30 एवं 31 दिसंबर को विकासखंड अंबिकापुर के दिव्यांग बच्चों को मेडिकल बोर्ड से जांच कराते हुए दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदाय किए जाने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर महोदय के निर्देश पर सप्ताह के प्रति शुक्रवार, शनिवार एवं मंगलवार जिले के दिव्यांग बच्चों हेतु शिविर का आयोजन किया जाना है।

इसी क्रम में कलेक्टर द्वारा आदित्य राज ठाकुर, अर्ग शर्मा, हेमंती, शिव, विकेश, प्रीति बरवा को दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरित किया गया। तथा दो दिव्यांग बच्चों को श्रवण यंत्र प्रदाय किया गया। कलेक्टर महोदय ने दोनो बच्चो को श्रवण यंत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से लगवाकर बच्चो द्वारा दी जाने वाली प्रतिक्रिया से अवगत हुए। बच्चो तथा उनके अभिभावकों के चेहरे पर मुस्कान देखकर उपस्थित सभी अधिकारी, कर्मचारी भी काफी प्रसन्न हुए। जिन बच्चों को अस्थि से संबंधित समस्या है अथवा ऐसे बच्चे जो ऑपरेशन से स्वस्थ्य हो सकते हैं के समुचित इलाज कराए जाने का निर्देश दिया। कलेक्टर महोदय द्वारा सभी उपस्थित दिव्यांग बच्चों से उनकी समस्याओं के संबंध में उनके अभिभावकों से चर्चा किया तथा बच्चों से चर्चा कर अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिन- जिन बच्चों को प्रमाण पत्र मिल चुका है उन सभी बच्चों को छात्रवृत्ति जल्द से जल्द प्रदान करने की कार्यवाही करें। उन्होंने निर्देश दिया कि दिव्यांग बच्चों का प्रमाण पत्र नियमित रूप से बनते रहना चाहिए जब तक सभी पात्र बच्चो का न बन जाए।

मानसिक मंदता वाली एक बालिका को शासकीय मानसिक मंदता विद्यालय में दर्ज कराने हेतु बीआरसी अंबिकापुर को कलेक्टर महोदय ने निर्देशित किया, उन्होंने कहा कि इस कार्य को बेहतर तरीके से करने वालों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र भी दिया जायेगा सभी ईमानदारी से इन बच्चो के लिए कार्य करे। प्रथम दिवस 46 एवं द्वितीय दिवस 27 कुल दो दिनों में विभिन्न प्रकार के 73 दिव्यांग बच्चों का परीक्षण कर पात्र सभी बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

दिव्यांगता प्रमाण पत्र के शिविर में समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी के राय, डीएमसी रवि शंकर तिवारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी योगेश मिश्रा, बीआरसी संजीव कुमार भारती, अस्थि रोग विशेषज्ञ संदीप त्रिपाठी, नेत्र रोग विशेषज्ञ अभिजीत जैन, शिशु रोग विशेषज्ञ स्मिता परमार, मानसिक रोग के सुमन कुमार सहित सिकलिन विभाग, अस्पताल प्रबंधक के प्रियंका कुरियन एवं सहयोगी संध्या तिवारी,विजय मिश्रा, प्रवीण सिन्हा,निरंजन विश्वास, विनय यादव, विक्रम सिंह, विश्वजीत पाठक, नरेश पांडे, उमाकांत ठाकुर, कमलेश्वर सिंह, स्वास्थ्य विभाग के महीनाथ मंडल, संगीता वर्मा, पुष्पा गुप्ता, का सहयोग सराहनीय रहा जो इन दिव्यांग बच्चों को अस्पताल तक लाने तथा सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों से संपर्क कर कर प्रमाण पत्र बनवाने एवं दिव्यांग बच्चों के भोजन व्यवस्था आदि में सहयोग प्रदान किए।

रामनगर गांव का सृजन करने वाले प्रथम पूर्वजों के याद में पूर्वज सम्मान दिवस का हुआ आयोजन

पांचवें वर्षगांठ कार्यक्रम में सैकड़ों लोग हुए शामिल

झंडा वंदन और पूजा अर्चना की गई

- संवाददाता -
उदयपुर, 31 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

ब्लाक अंतर्गत रामनगर पंचायत में स्थित विभिन्न चौक चौराहो का नामकरण गांव को बसाने (सृजन) एवं इसके विकास में योगदान देने वाले प्रथम नागरिकों के नाम पर 30 दिसंबर 2018 को ग्रामीणों ने यह पहल कर अपने पूर्वजों को सम्मान दिया, इसके तहत प्रतीक के रूप में, खंभा स्थापित कर , पारंपारिक रीति रिवाज से पूजा-पाठ कर, उत्साह पूर्वक चौक चौराहों का, नामकरण किया गया था! इस दौरान पारंपारिक वाद्य यंत्र ढोल, झांझ ,एवं मांदर की धुन पर गांव के लोग झूमते नजर आए अपनी तरह के अनूठे इस आयोजन का विचार तत्कालीन निर्विरोध चुने गए सरपंच रोहित सिंह टेकाम के मन में आया, सरपंच स्वयं गांव को बसाने वाले प्रथम पूर्वज देव ढाढू माझी टेकाम ,एवं नान माझी टेकाम के नौवमी पीढ़ी के वंशज हैं, इन्होंने बाबा राम प्रसाद (पटेल) ,व गांव के देव साय (बैगा), सुमिरन सिंह ,दिलीप सिंह ,हृदय राम ,चमरू राम ,हरिहर राम ,फेकू राम रमजीत,इत्यादि अनेकों खास लोगों से सलाह व मार्गदर्शन लेते हुए रामनगर पंचायत में इस तरह के 06 चौक चौराहों का नामकरण-देव ढाढूमाझी टेकाम,,देव नान माझी टेकाम,, देव सुखी राम सरोटिया,, देव दुखीराम सरोटिया, त्रिलोचन पोर्ते, बंधु राम यादव, के नाम पर किया गया है, चूंकि चौक स्थापना के समय ही कुछ जगह को छोड़कर बाकी चार जगहों पर को देवधाम के रूप में स्थापित किया गया है , देव ढाढूमाझी टेकाम व नान माझी टेकाम, की पूजा गांव के प्रत्येक घर और देव स्थलों में पहले से ही की जाति रही है, देव सुखीराम सरोटिया व देव दुखीराम सरोटिया की भी पूजा गांव के सरोटिया परिवारों में एवं देव स्थलों में किए जाने की परंपरा है, इस आयोजन के बाद अब माह के पूर्णिमा के दिन इन स्थलों में दीप प्रज्वलित किया जाता है ,प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 30 दिसंबर 2022 दिन शुक्रवार को पारंपारिक रीति रिवाज पूजा-पाठ वाद्य यंत्र ढोल मांदल इत्यादि के धून के साथ- साथ पूर्वजों का जय जय कारा गूंजता रहा ,इस तरह उत्साह पूर्वक ,हर्षोल्लास के साथ पांचवां वर्षगांठ के रूप में पूर्वज सम्मान दिवस त्यौहार संपन्न हुआ ,इस दौरान रामनगर के ,पूर्वज सम्मान संघर्ष समिति, की नौजवान युवक युवती साथियों का सहयोग व उत्साह ,सराहनीय रहा ,गांव की सभी सम्माननीय नागरिक जनप्रतिनिधि बैगा पुजारी वरिष्ठ जन ,सुमिरन सिंह सरोटिया ,दिलीप सिंह सरोटिया, रोहित सिंह टेकाम, शामलाल बैगा, अमर सिंह सरोटिया ,माझी राम टेकाम ,रमजीत टेकाम, सुखनंदन सरोटिया, नारसिंह सरोटिया, फेकू राम सरोटिया, धन साय टेकाम, देशु टेकाम ,दशरथ टेकाम, प्रीतम टेकाम,, सरपंच ललिता सिंह टेकाम ,,बीरबल सरोटिया ,देवत राम सरोटिया ,अर्जुन सरोटिया ,कामदेव सरोटिया ,धर्मपाल सरोटिया , देवानंद सरोटिया, रविचंद्र सरोटिया कृष्णा टेकाम,अकील सरोटिया ,राजकुमार सरोटिया ,रामकुमार सरोटिया, चरन सरोटिया, अवधेश सरोटिया, मोती सरोटिया,अकत सरोटिया,मनुक पोर्ते, पोर्ते, संगल पोर्ते, पवन पोर्ते पनमेश्वर कृष्णा सरोटिया बुधलाल श्याम असंतलाल, बीरन अनूक सिंह उदित नारायण जग सिंह अनिल अमरेंद्र उदय देवनारायण चमरू लग्न दीपक लोकनाथ सखा मुनेश्वर पैकरा धनेश्वर पैकरा बिरयु प्रसाद पैकरा इत्यादि गांव के एवं क्षेत्र से आए सैकड़ों की तादाद में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं राजनीतिक दलों की उपस्थिति में नए ईव्हीएम का किया गया भंडारण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 31 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

आगामी विधानसभा निर्वाचन में उपयोग हेतु ईसीआईएल हैदराबाद से प्राप्त 3000 नग बैलेट यूनिट व सीयू को शनिवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कंपोजिट बिल्डिंग स्थित स्ट्रांग रूम में भंडारित किया गया।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इन मशीनों का ईएमएस सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि हेतु स्कैनिंग का कार्य किया जाएगा। ततपश्चात समस्त मशीनों का एक्सेप्टेन्स टेस्ट प्रोसीजर का कार्य किया जाएगा।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री टीसी अग्रवाल, पार्षद श्री आलोक दुबे, श्री सी अनिल, श्री कर्ताराम सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर के सभाकक्ष में सेवानिवृत्त विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

- संवाददाता -
सूरजपुर, 31 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर एस सिंह के मुख्य अतिथि एवं श्री गणपत नायक जिला कार्यक्रम प्रबंधक सूरजपुर के विशिष्ट आतिथ्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर के सभाकक्ष में सेवानिवृत्त विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सेवानिवृत्त कर्मचारी 1श्रीमती मीरा श्रीवास्तव (RHO-F)

2श्री संतोष कुमार उदैनिया(फार्मासिस्ट ग्रेड 2)

3 श्री राम नारायण यादव (वाहन चालक) जो कि अपनी 62 वर्ष सेवा पूर्ण कर चुके जिनका आज दिनांक 31/12/ 2022 को अपनी सेवा काल से सेवानिवृत्त हुए। सर्वप्रथम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सूरजपुर एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ डीके विश्वकर्मा के द्वारा साल श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया और पीपीओ एवं समस्त स्वतों का भुगतान आदेश सेवानिवृत्त तीनों कर्मचारियों को दिया गया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा अपने उद्बोधन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके सेवाकाल पूर्ण होने पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की साथ ही डॉ डीके विश्वकर्मा बीएमओ एवं लेखापाल श्री जितेन्द्र दुबे के कार्यों की प्रशंसा करते हुए निरंतर इस प्रकार का कार्य करने पर शुभकामनाएं दिया और आगे भी ऐसी कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। इसी तारतम्य में अन्य विकास खंडों में भी इसी प्रकार का कार्य करने हेतु संदेश दिया गया।डॉ डीके विश्वकर्मा बीएमओ के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि तीनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवाकाल पूर्ण होने पर बधाई दी एवं उनकी कार्यों की प्रशंसा करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की साथ ही उनके कार्यों के बारे में बताया गया कि इन कर्मचारियों के द्वारा अपने अधिकारियों के निर्देशों का हमेशा पालन किया गया है एवं अनुशासन में रहते हुए अपने कार्य का सफलतापूर्वक संपादन किया और साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों से अनुरोध किया गया कि आवश्यकता होने पर अपनी सेवा अवश्य देवें इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला महामंत्री श्री नरेंद्र ठाकुर के द्वारा मंच का संचालन करते हुए कहा गया कि पराया सा कम देखा गया है कि किसी भी विभाग में 3 कर्मचारी एक साथ सेवानिवृत्त हुए हो और सेवाकाल के आखिरी दिन पीपीओ एवं अन्य स्वतो का भुगतान उनको प्राप्त हुआ हो श्री नरेंद्र ठाकुर के द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से अनुरोध किया गया कि इसी प्रकार का जिले के अन्य विकास खंडों में भी कर्मचारियों के हित में कार्य करने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सूरजपुर से निर्देश देने हेतु निवेदन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एच.पी सिंह डॉ.राजश्री सिंह डॉ.आर.एस. सिंह डॉ सुमित सोनी डॉ.एस के शुक्ला डॉ. एम.के. विश्वकर्मा डॉ.सुभाष पटेल राजेश द्विवेदी,राजकुमार रजवाड़े विजय सिंह अमर सिंह देवेंद्र दुबे अंसारी अमिताभ शर्मा शिवेंद्र पांडे राजेश्वर दुबे चंद्रभान भुनेश्वर रामपतु एवं समस्त कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सारी सौगातें,सारी उपलब्धियां एक ओर...विभाजन की त्रासदी सब पर भारी

- कोरिया जिला वर्ष 2022 में विभाजित हुआ, विभाजन से रोकने संघर्ष तो हुए लेकिन सफलता नहीं लगी हाथ
- कोरिया जिले के लिए वर्ष 2022 अच्छा अनुभव छोड़कर नहीं गया,विभाजन का मलाल सभी में देखा गया
- वर्ष 2022 में भाजपा ने खोए अपने दो दिग्गज नेता, पूर्व विधायक सहित आदिवासी नेता का हुआ निधन
- कांग्रेस ने 2022 में नगर पालिका बैकुंठपुर में पूर्ण बहुमत आने के बावजूद गवाया नगर पालिका अध्यक्ष का पद
- कांग्रेस ने शिवपुर चरचा नगरपालिका में भी पूर्ण बहुमत के बावजूद गंवाया उपाध्यक्ष का पद
- वर्ष 2022 भी कोरिया जिले में राजनीतिक उठापटक के बीच बीता
- 2022 में कोरोना का भय तो नहीं था, पर निरंकुश स्वास्थ्य व्यवस्था का भय जरुर था
- अवैध कारोबारियों के लिए 2022 काफी अच्छा रहा राजनीतिक संरक्षण भी खूब मिला
- 2022 में भी प्रशासन का निरंकुश पन बना रहा, पुलिस प्रशासन ने भी अपनी खूब किरकिरी कराई
- कोयला,कबाड़,रेत,जुआ सहित अवैध शराब मामले में सत्ताधारी दल की फजीहत होती रही
- पुलिस भी पूरे वर्ष सोती रही,अवैध कोयला खदानें,अवैध शराब की सप्लाई सहित जुआ फड़ चलते रहे

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कभी जिले का निर्माण राजनीतिक कुशलता का था परिचायक, उसके ऊपर जिला मुख्यालय बैकुंठपुर का बनना राजनीतिक कद की ऊंचाई का बना था पैमाना।

आज जिला विभाजन का त्रास बना राजनैतिक विफलता का पर्याय। जल, जंगल, जमीन, खनिज सब हुए कोरिया के दायरे से बाहर। विभाजन भी ऐसा कि बंटवारे के बाद अलग हुआ हिस्सा मूल से बड़ा, मूल हिस्सा ही रह गया छोटा। विभाजन के विरोध में उठे स्वर भी नक्कारखाने में तूती की आवाज जैसे। राजनीतिक रोटी सेंकने के चक्कर में विरोध के स्वर की गूंज और धमक रही धीमी। विपक्ष करता रह गया राजनीति और सत्ता पक्ष महात्मा गांधी के तीन बंदर समान आंख कान और मुंह मूंदे बैठा रह गया। भरे मंच में सफलता न मिलने पर मंच साझा न करने की शपथ भी निकली झूठी।

नौजवान कोरिया 2023 में 25 साल का हो जाएगा, कोरिया जिले के लिए वर्ष 2022 हमेशा के लिए काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गया, यह वर्ष 2022 है जिसमें कोरिया जिला ना चाहते हुए भी दो टुकड़े में विभाजित हो गया, बचाव की समितियां भी बनी संघर्ष भी हुआ लेकिन इसे रोक पाने की क्षमता किसी मे नहीं रही और विभाजन हो गया, कोरिया मूल जिला होने के बावजूद भी बंटवारे में राजनीतिक षड्यंत्र का शिकार हो गया, ना पर्यटन मिला, ना ब्लॉक मिला ज्यादा, ना ही क्षेत्र मिला ज्यादा, यहां तक की सबसे कम राजस्व वाले जिले में भी हो गई गिनती, सबसे छोटे जिले की भी मिली उपलब्धि। इस जिले को अब प्रशासनिक अधिकारी भी हीन भावना से देखने लगे हैं वहीं कोई नहीं आना चाहता जिले में चार थाना के जिले में पुलिस अधीक्षक भी नहीं आना चाहते, कोरिया ने जो 1998 में पाया था 2022 में उसका आधा से ज्यादा हिस्सा नवीन जिले को मिल गया। हर तरफ विरोध व बंटवारे में पक्षपात पर सरकार सुर्खियों में रही फिर भी सरकार ने अपने फैसले पर नहीं किया बदलाव, अंततः कोरिया के इतिहास में कांग्रेस के ही एक दिग्गज नेता व पूर्व वित्त मंत्री स्वर्गीय डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव का सपना वर्ष 2022 में टूट गया, 2022 कोरिया जिले के लिए काले अतीत के पन्नों में समा गया, 2023 से कोरिया को नई उम्मीद होगी और नए सपनों के साथ कोरिया को उड़ान भरनी होगी अब 2023 कोरिया के लिए क्या होगा यह तो आने वाला साल बताएगा।

कोरिया जिले को वर्ष 2023 से होंगी उम्मीदें

कोरिया जिले को वर्ष 2023 में काफी उम्मीदें होंगी यह उम्मीद जिले को जिलेवासियों को राजनीतिक व्यक्तियों से होंगीं जो जिले को विभाजन से हुए नुकसान से निजात दिला सकें। जिले का बहुत कुछ छीन गया है और अब उसे पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है फिर भी जिले में अभी भी विकास की अपार संभावनाएं हैं और इस क्षेत्र में कौन काम करता है यह देखने वाली बात होगी।

जिला विभाजन रोकने बनी संघर्ष समिति की भूमिका भी रहेगी जिले के लिए लाभकारी

कोरिया जिले को वर्ष 2022 में बांट दिया गया,1998 में बने जिले को दो भागों में विभाजित किया गया एवं कोरिया को विभाजन में नवीन जिले से भी कम मिला जो जिले के साथ अन्याय के रूप में देखा जा रहा है। जिला बचाओ संघर्ष समिति ने बड़ी मेहनत की और हर स्तर तक जाकर संघर्ष समिति ने जिला विभाजन रोकने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हो सके। अब संघर्ष समिति की भूमिका और महत्वपूर्ण होगी जो जिले किस अस्मिता को ऊंचाइयों पर ले जाने प्रयास करेगी और लोगों को साथ लेकर वह जिले की भलाई और उन्नति के लिए काम करेगी।

वर्ष 2022 में भाजपा ने क्या पाया क्या खोया

वर्ष 2022 भाजपा के लिए बहोत बेहतर नहीं रहा,भाजपा ने जहां इस वर्ष अपने दो बड़े नेताओं को खोया जिसमे एक पूर्व विधायक एवम एक आदिवासी नेता शामिल हैं वहीं भाजपा को नगरपालिका चुनावो में भी अच्छी सफलता नहीं मिली,अप्रत्यक्ष प्रणाली से हुए नगरपालिका चुनावों में भाजपा ने जिले की दो नगरपालिकाओं में से एक मे अध्यक्ष और एक मे उपाध्यक्ष पद पर कब्जा जरूर कर लिया लेकिन पार्षदों के हिसाब से भाजपा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और भाजपा को कांग्रेस की अंतर्कलह का ही लाभ मिल सका।

कांग्रेस ने नगरपालिका में अध्यक्ष सहित उपाध्यक्ष का पद गंवाया

सत्ताधारी दल कांग्रेस के लिए भी वर्ष 2022 बेहतर नहीं रहा, कांग्रेस ने पूर्ण बहुमत होने के बावजूद जिले की एक नगरपालिका में अध्यक्ष वहीं दूसरी में उपाध्यक्ष पद गंवाया। कांग्रेस की आपसी अंतर्कलह इसकी वजह बनी। कांग्रेस चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कर सकी लेकिन अपने ही पार्षदों को विश्वास में नहीं ले पाना उसकी कमजोरी रही।

अवैध कारोबारों पर नहीं लग सका वर्ष भर अंकुश,पुलिस पर मिली भगत का लगता रहा आरोप

वर्ष 2022 में जिले की कानून व्यवस्था पर लगातार प्रश्नचिन्ह लगते रहे। जिले में अवैध कोयला खदानों का संचालन होता रहा, अवैध शराब मध्यप्रदेश से लाई जाकर जिले में परोशी जाति रही जुआ फड़ संचालित होते रहे वहीं रेत का भी अवैध कारोबार चलता रहा। जिले में सभी अवैध कारोबारों को लेकर लगातार खबरें चलती रहीं लेकिन मामले में पुलिस मौन धारण किये बैठी रही और पूरे वर्ष चोरों सहित अवैध कारोबारियों का आतंक जिले में जारी रहा। जिले में पुलिस की अवैध कारोबारियों के साथ मिलीभगत की बातें भी सामने आती रही और फिर भी पुलिस निरंकुश बनी रही।

टाइगर की मौत

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में बाघ, तेंदुआ, हाथी, चीतल, वनभैंसा समेत काफी संख्या में जानवर व पशु पक्षी विचरण करते हैं। यहां कई बार जंगली जानवरों का शिकार करने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। गुरुघासी दास राष्ट्रीय उद्यान के रामगढ़ वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम सलगवांकला में बाघ का शव मिलने से हड़कंप मच गया था। सूचना मिलते ही वन विभाग के आला अधिकारी समेत कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। मामले में 2 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। दरअसल 4 जून को बाघ ने एक भैंसे का शिकार किया था। इससे आक्रोशित भैंस मालिक ने भैंस के शव पर कीटनाशक (जहर) का छिड़काव कर दिया था। रात में जब बाघ ने भैंस का मांस खाया तो उसकी मौत हो गई।

पत्रकारों पर फर्जी मुकदमे-

साल 2022 कोरिया जिले के मुखर पत्रकारों के लिए भी अच्छा नहीं रहा। मुखरता से बिना किसी लाग लपेट के शासन-प्रशासन की संदिग्ध कार्यशैलियों पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों पर भी झूठे मुकदमों की कार्यवाही की गई। कई बार नोटिस देकर उन्हें परेशान किया गया। पत्रकार सुरक्षा कानून की बात करने वाली वर्तमान प्रदेश सरकार और जिले में पदस्थ सरकार के नुमाइंदे एवं शासकीय जवाबदेह अधिकारियों के गलत कार्यों में लिप्त होने की खबर प्रकाशित होने पर पत्रकारों को विभिन्न तौर तरीके से परेशान करने की घटनाएं आम हो गई थी।

मुख्यमंत्री की भेंट मुलाकात में हुई केवल घोषणाएं जमीन पर अमल किसी कार्य का नहीं

कोरिया विभाजन की त्रासदी के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कोरिया दौरे और भेंट मुलाकात कार्यक्रम से कोरिया वासियों को बहुत सी उम्मीदें थी और यह शासन की जवाबदारी भी थी कि असंतुष्ट कोरिया वासियों को ऐसी सौगातें दी जाए जिनसे विभाजन का मलाल कम किया जा सके। नेताओं से लेकर पक्ष और विपक्ष ने अपनी अपनी मांगों की सूची बनाई थी, उनमें से कुछ मांगों पर सहमति भी बनी परंतु भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाएं 2022 में अमल में नहीं लाई जा सकिं। इसे सत्ता शासन की विफलता हि माना जाएगा। पटना के नगर पंचायत की घोषणा हो, या पूर्ण तहसील की, इसके अतिरिक्त अनेक ऐसी घोषणाएं जिनका धरातल पर क्रियान्वयन शून्य है।

एक के बाद एक भूकंप के झटकों से हिली कोरिया की धरती, भविष्य में बड़ी घटना का अंदेशा

वर्ष 2022 के मध्य अगस्त और सितंबर में एक के बाद एक कुछ समय अंतराल पर ही लगातार दो बार भूकंप के कंपन से कोरिया की धरती हिली। जिससे कोरियावासी भयभीत नजर आए। इसका प्रमुख कारण यह था की कोरिया प्रदेश और देश के जिस भूभाग पर स्थित है, सामान्यतः इन क्षेत्रों में भूकंप का आना आम बात नहीं है। लगातार भूकंप के झटकों ने क्षेत्रवासियों को चिंतित कर दिया कि आने वाले भविष्य के गर्भ में कहीं कोई बड़ी प्राकृतिक आपदा और बड़ी घटना घटित ना हो जाए।

नववर्ष के पूर्व एसपी कोरिया के निर्देश पर पुलिस टीम के द्वारा चलाया गया सघन चेकिंग अभियान

इस अभियान के दौरान लगभग 100 से 150 वाहनो की सघन चेंकिंग की गई

- शराब पीकर वाहन चलाने वालो पर भी हुई कार्यवाही, यही कार्यवाही नववर्ष तक लगातार जारी रहेगी:एसपी त्रिलोक बंसल

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

देर शाम एसपी कोरिया त्रिलोक बंसल के निर्देश पर कोरिया पुलिस की टीम जमगहना एवं खरवत, भाड़ी चौक पहुचे, कोरिया जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रोहित झा, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बैकुंठपुर श्रीमती कविता ठाकुर सहित जिले के कई पुलिस अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

शराब पीकर वाहन चलाने वालो पर कार्यवाही की गई, जिसमे एसपी कोरिया ने बताया नशे में धुत्त होकर गाड़ी चलाना और खतरनाक ड्राइविंग पर कार्यवाही करेंगे, ये कार्यवाही कल, परसो एवं नववर्ष में लगातार जारी रहेगी एवं दोषी के विरुद्ध चलानी कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया जायेगा। वाहन चेकिंग के तहत पटना एवं चरचा थाना क्षेत्र में भी पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान दो पहिया वाहनों की डिक्की व हेलमेट समेत अन्य कागजात की सघन जांच की गयी। त्रुटिपूर्ण कागजात, तीन सवारी, बिना आरसी व बगैर हेलमेट, लापरवाही पूर्वक वाहन चलाना, शराब पीकर वाहन चलाते हुये वाहन चालकों से जुर्माने की राशि वसूल की गयी। इसका उद्देश्य नववर्ष के पूर्व आकस्मिक चेकिंग कर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों पर कार्यवाही, अपराध रोक, अवैध पदार्थो की आवाजही पर रोक लगाना है साथ ही अनावश्यक आधी रात न घूमे इस सम्बन्ध में हिदायत देना भी है। आज बैकुंठपुर थाना कोतवाली ने 4 प्रकरण 4 ब्यक्ति से 1400 रु, थाना चरचा की टीम ने 9 प्रकरण 9 ब्यक्ति से 3900 रु एवं थाना पटना की टीम ने 16 प्रकरण 16 व्यक्ति से 4800 रु की वसूली की गई है।

सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को वितरित किया गया साइकल

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय डुमरिया में मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना के तहत सभी पात्र छात्राओं को साइकिल प्रदान किया गया। साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। शासन कि यह एक महती योजना है, जिससे अधिक से अधिक छात्राओं को विद्यालयों से जोड़ा रखा जा सके। और जो छात्रायें विद्यालय से दुरस्थ स्थान पर रहते हैं, वह भी सुगमता से विद्यालय आवागमन कर सकें। कार्यक्रम के दौरान विद्यालयीन स्टाफ द्वारा उपस्थित लोगों को विद्यालय की अन्य समस्याओं से भी अवगत कराया गया।? विद्यालय परिवार को समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत उपध्यक्ष वेदांती तिवारी, जिला सदस्य श्रीमती सुनीता देवी कुर्रे, पूर्व जनपद सदस्य सोनू राज यादव, यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुजीत सोनी, पूर्व जनपद सदस्य समयलाल यादव, एनएसयुआई के किशन तिवारी, सच्चिदानंद साहू, आकाश देवांगन एवं विद्यालय के प्राचार्य समेत पदस्थ शिक्षक गण उपस्थित रहे।

मुजेस्सम नजर को बिलासपुर जोन प्रभारी बनाया गया और पूर्णिमा सेमरिया को जशपुर जिले का प्रभारी बनाया गया

- संवाददाता -
कुसमी, 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस प्रभारी डॉ. पलक वर्मा , सहप्रभारी इक़बाल ग्रेवाल प्रियंका सारसर और प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के सहमति से युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष मुजस्सम नजर को बिलासपुर संभाग का जोन प्रभारी व प्रदेश महासचिव पूर्णिमा सेमरिया को जशपुर जिले का प्रभारी बनाकर अहम जिम्मेदारी दी गई है,गौरतलब है कि मुजेस्सम नजर और पूर्णिमा सेमरिया बलरामपुर जिले के छोटे से शहर कुसमी के निवासी है और युवा कांग्रेस से इन्होंने राजनीति की शुरुआत कर कांग्रेस के लिये अच्छा कार्य किया है, जिसके फलस्वरूप युवा कांग्रेस प्रदेश इकाई कर द्वारा अब इन्हें नई जिम्मेदारी दी गई है।

7 जनवरी से 15 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का आयोजन बैकुंठपुर में,सिखाया जाएगा रंगकर्म के हुनर

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रतिष्ठित रंग संस्था संगम नाट्य समिति के बैनर तले जिला बैकुण्ठपुर में 15 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का आयोजन मार्गदर्शन संस्थान, लोक परलोक ढाबा के पीछे सर्वेश्वरी नगर में 07 जनवरी से किया जाना तय हुआ है। कार्यशाला में अभिनय की बारीकियों पर हुए नये तकनीक और बदलाव पर विशेष रूप से बल देकर प्रशिक्षित किया जाएगा। इस कार्यशाला का निर्देशन युवा और अनुभवी रंगकर्मी शैलेन्द्र मणि कुशवाहा के दिशा निर्देशन मे संचालित किया जाएगा। विगत 14 वर्षों से रंगकर्म के क्षेत्र में इनका अनुभव बैकुंठपुर जिले के नवोदित रंगकर्मियो के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इन्होंने अब तक लगभग 30 नाटकों में अभिनय 20 नाटकों में मंच व्यवस्था और अनेक नाटकों का निर्देशन कर चुके हैं। इस कार्यशाला में डॉयलॉग, स्पीच, मूवमेंट, पिच, स्क्रिप्ट रीडिंग, कैरेक्टराईजेशन छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, डिजाईन, संगीत और रंगमंच के अनेक पहलुओ पर अलग अलग काल खंड के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। यह कार्यशाला पूर्णतः निःशुल्क है। सिर्फ रजिस्ट्रेशन शुल्क 150 रुपये रखा गया है। कार्यशाला में 15 साल या अधिक के प्रतिभागी हिस्सा ले सकते है। वर्कशॉप मे शामिल होने प्रशिक्षु संगम नाट्य समिति के फेसबुक के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यशाला में अपना स्थान सुनिश्चित करने के लिए शहर के युवा रंगकर्मी रामू पूरी से संपर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। रामू पूरी महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के फ़िल्म एवं नाटक विभाग से एम.ए. व नेट क्वालीफाई हैं। यह बैकुंठपुर जिला के लिए गौरव की बात है। इनसे आप मोबाइल नंबर 6265850504 पर संपर्क कर सकते हैं। शहर के फ़िल्म निर्माता संतोष सूर्या भी इस कार्यशाला में अपनी सहभागिता देंगे। जिनको हाल ही में खुजराहो अंतरराष्ट्रीय फिल्म उत्सव में उनकी फिल्म को समानित किया गया। 7000492987 और 6266533015 नंबर पर संपर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

नव पदस्थ पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग का प्रथम कोरिया दौरा

रक्षित केंद्र कोरिया का किए निरीक्षण,निर्माण संबंधी जानकारी का लिए जायजा

» आईजी राम गोपाल गर्ग द्वारा कोरिया के समस्त राजपत्रित अधिकारी व थाना प्रभारियों की लिए बैठक

» आईजी द्वारा सख्त निर्देश अपराध घटित होने की सूचना पर प्राप्त होने पर त्वरित करें कार्यवाही

» बेसिक पुलिसिंग, को मजबूत करने हेतु दिए आवश्यक दिशा निर्देश

» ग्रामीण क्षेत्रों में बीट प्रणाली को मजबूत करने पर दिया जोर देवे

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सरगुजा रेंज की कमान संभालने के बाद पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग ने अपने संभाग के सभी जिले के दौरा करने के बाद अंतिम में कोरिया का दौरा किया जो कोरिया के लिए प्रथम दौरा था, जबकि वह खुद कोरिया के पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं और कोरिया की स्थिति से भली भाति परचित है सूरजपुर, मनेंद्रगढ़, अंबिकापुर व बलरामपुर यह सभी जिलों का दौरा कर चुके थे ऐसा बताया जा रहा है कि कोरिया का दौरा उन्होंने अंतिम में रखा था जबकि कोरिया से अलग हुए नवीन जिले का दौरा पहले ही कर चुके थे। सरगुजा रेंज का कमान संभालने के बाद पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) द्वारा जिला कोरिया का प्रथम भ्रमण किया गया। सर्वप्रथम पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज द्वारा एसपी ऑफिस पहुंचकर सलामी ली गई, उसके दौरान एसपी कोरिया द्वारा जिले के बारे में संक्षिप्त जानकारी से अवगत कराया गया। कार्यालय का निरीक्षण कर सभी राजपत्रित अधिकारी, शाखा प्रभारियों एवं थाना प्रभारियों से परिचय प्राप्त किए। कार्यालय में सभी अधिकारियों की बैठक के उपरांत आईजी द्वारा प्रेस वार्ता किया गया। जिला कोरिया दौरे के दौरान पुलिस महानिरीक्षक द्वारा रक्षित केन्द्र में तैनात बल, संसाधनों, बैरक व निर्माण से संबंधीत कार्यों के बारे में पुलिस अधीक्षक द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। जिला कोरिया भ्रमण के दौरान, पुलिस अधीक्षक कोरिया श्री त्रिलोक बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरिया श्री रोहित झा, एसडीओपी बैकुंठपुर श्रीमती कविता ठाकुर एवम् डीएसपी हेड क्वार्टर श्री श्याम लाल मधुकर, प्रभारी रक्षित निरीक्षक कोरिया, समस्त थाना चौकी प्रभारी व पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोरिया के पुलिस अधिकारीगण मौजूद रहे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय का किया भूमिपूजन

जिला कोरिया भ्रमण के दौरान आईजी सरगुजा रामगोपाल गर्ग के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय का भूमिपूजन किया गया।

पुराने प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण करने हेतु सख्त निर्देश दिए

आईजी सरगुजा द्वारा रक्षित केंद्र के कॉन्फ्रेंस हॉल में पुलिस अधीक्षक कोरिया श्री त्रिलोक बंसल की मौजूदगी में जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारियों की बारी-बारी से थानों में पुराने लंबित अपराध, मर्ग, शिकायत जांच के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तथा पुराने प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण करने हेतु सख्त निर्देश दिए।

थाना में आने वाले फरियादी से अदब आए से पेश

आईजी द्वारा सख्त निर्देश दिया गया कि थाना-चौकी में प्राप्त फरियाद सूचना रिपोर्ट पर बिना विलंब किए तत्परता के साथ यथोचित कार्यवाही करें, थाना में आने वाले फरियादी को अच्छे से पेश आवे, आवेदक के समस्याओं का समाधान कर उनके मामले का निराकरण करना पुलिस का मुख्य कार्य है। जिले के पुलिसिंग में कसावट लाने के लिए आईजी द्वारा निर्देशित किया गया कि जिले के बॉर्डर चेक पोस्ट पर पुलिस को सतर्कता बरती जाए किसी भी प्रकार का अवैध सामग्री का परिवहन कारोबार नहीं होनी चाहिए। बैठक के दौरान आईजी सरगुजा ने निर्देशित किया कि आम जनता में पुलिस की छवि को और बेहतर बनाने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी घटना-दुर्घटना अथवा अपराध की सूचना लेकर कोई फरियादी/आवेदक थाना आता है तो उसकी तत्काल सुनवाई की जाए, चाहे मामला किसी दूसरे क्षेत्र का ही क्यों न हो, विधि के अनुसार अपराध की सूचना पर शून्य में मामला पंजीबद्ध कर संबंधित थाने को विवेचना के लिए भेजी जाए, इससे आमजनता और पुलिस के बीच मधुर संबंध स्थापित होगा।

अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के कड़े निर्देश दिए गए। अपराध एवं अपराधियों को रोकने एवं बेसिक पुलिसिंग को और सशक्त और मजबूत करने, लंबित मामलों सहित चिटफण्ड के मामलों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। चिटफण्ड के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी में सक्रिय होकर कार्य करे, चोरी-नकबजनी के मामले में गंभीरतापूर्वक आरोपियों की पतासाजी कर गिरफ्तारी एवं शत् प्रतिशत माल बरामद करने, महिला सुरक्षा, सामुदायिक पुलिसिंग एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता तथा सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने के लिए जरूरी कदम उठाते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

आईजी सरगुजा ने बीट प्रणाली मजबूत करने पर दिया जोर

आईजी सरगुजा द्वारा बैठक में कहा गया कि पुलिस का कार्य अपराधों पर अंकुश लगाना है और यह तभी सम्भव है, जब हम जाबाजी और इमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए हममें से हर एक को अपने क्षेत्र में मेहनत और संवेदनशीलता से कार्य करना होगा। जिले में पुलिस की बीट प्रणाली को मजबूत करने के साथ ही सूचना तंत्र को भी प्रभावी बनाने को लेकर निर्देश दिया। बीट प्रणाली को मजबूत बनाए के लिए हर थाने का बीट अधिकारी व जवान अपनी बीट में जाकर लोगों से जनसम्पर्क करेगा और लोगों से उनकी समस्या से अवगत होगा और ग्राम की प्रत्येक गतिविधियों के बारे में जानकारी लेगा, साथ ही त्वरित सूचना आदान-प्रदान के लिए बीट क्षेत्र के ग्रामीणों और पुलिस अधिकारी व जवानों का वाट्सएप ग्रुप बनाने का निर्देश दिया।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं

साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करें साथ ही साइबर अपराध के मामले प्रकाश में आने पर त्वरित मामला पंजीबद्ध करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अपराधियों में पुलिस का भय होना और दिखना चाहिए, अपने पद का दायित्वों का निर्वहन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी चाहिए।

उप निरीक्षक से निरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए सौरभ को आईजी रामगोपाल एवं एसपी त्रिलोक ने गया स्टार

उप निरीक्षक से निरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए थाना सोनहत प्रभारी उप निरीक्षक सौरभ द्विवेदी को आईजी सरगुजा रामगोपाल गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने स्टार लगाकर शुभकामनायें दी।

अवैध तथा नकली शराब की बिक्री रोकने की गुहार विधायक से

प्रति,
माननीय डॉ. विनय जायसवाल जी
(विधायक)
मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र (क्र.-02)

विषय :- चिरमिरी क्षेत्र में नकली शराब बिक्री की सूचनार्थ व कार्यवाही बाबत।

आदरणीय,

[illegible]

उचित कार्यवाही करने की कृपा करें।
उपरोक्तानुसार पत्र आपके समक्ष प्रेषित है।

सादर धन्यवाद

भवदीय
प्रभास राय
गोदरीपारा चिरमिरी

प्रतिलिपि:- माननीय श्री कवासी लखमा जी,
मंत्री, वाणिज्यकर (आबकारी) वाणिज्य एवं उद्योग
(छत्तीसगढ़ शासन)

» गरीब व आदिवासी तबकों में नकली शराब के कारण उत्पन्न समस्याओं का जिम्मेदार कौन?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

वैसे तो निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सामने जनता अपनी समस्याओं को लेकर दौड़ लगाती रहती है। परंतु बहुत ही कम मामलों में ऐसा देखा जाता है की दूसरों की तकलीफ का संज्ञान लेकर कोई भागदौड़ करे। ऐसा ही एक वाक्या सामने आया है। जिसमें गोदरीपारा चिरमिरी निवासी प्रभास राय ने मनेंद्रगढ़ विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल के समक्ष चिरमिरी क्षेत्र में नकली शराब की बिक्री के सूचनार्थ और उस पर कार्यवाही कराने बाबत एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने उल्लेख किया है कि संपूर्ण चिरमिरी में नकली शराब बड़े पैमाने पर अवैध रूप से बिक्री की जा रही है। अवैध नकली शराब की बिक्री का मुख्य कारण उन्होंने बताया कि शासकीय शराब दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा शराब में अन्य द्रव्य का मिलावट कार्य किया जाता है और असली शराब को निकालकर परे रख लिया जाता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्थानीय स्तर पर बनने वाली महुआ शराब का भी जिक्र किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि आदिवासी परिवारों को शासन द्वारा 5 बोतल महुआ शराब घरेलू उपयोग हेतु बनाने की अनुमति है। जिसकी आड़ में व्यापक पैमाने पर महुआ शराब का निर्माण किया जाता है, जिसमें यूरिया खाद एवं अन्य हानिकारक पदार्थ मिलाए जाते हैं। जिसके सेवन से गरीब तबका बीमार हो रहा है। अपने पत्र में उन्होंने किया है कि नकली और जहरीली शराब के सेवन के कारण क्षेत्र में आमतौर पर मौत होने की भी सूचना लगातार प्राप्त होती रहती है। पत्र के माध्यम से उन्होंने मनेंद्रगढ़ विधायक से नकली व जहरीली शराब की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने और विक्रेताओं पर कार्यवाही करने की मांग की है।

शराबबंदी की घोषणा के फल स्वरुप सत्ता में आए विधायक महोदय क्या करा पाएंगे कार्यवाही?

विगत विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में शराबबंदी एक प्रमुख एजेंडा था जिसका सीधे तौर पर पार्टी को लाभ भी मिला और लंबे वनवास के बाद पार्टी सत्ता में आई कोरिया जिले के तीनों विधानसभा में कांग्रेस पार्टी का परचम लहराया। शराबबंदी तो नहीं हुई परंतु अवैध शराब की बिक्री कोरिया जिले में जोरों पर है। जिसका गाहे-बगाहे कोई न कोई प्रकरण सामने आ ही जाता है। बड़े पैमाने पर मध्यप्रदेश की शराब कोरिया के समीपवर्ती क्षेत्रों में खपाई जा रही है, वहीं शासकीय शराब दुकानों से विक्रय की जाने वाली शराबों में भी व्यापक पैमाने पर मिलावट की सैकड़ों शिकायतें हैं। जिसके कारण लोगों की सेहत और जान से खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है। अब जब जनता मुखर होकर निर्वाचित विधायक के समक्ष अवैध और जहरीली शराब विक्रय पर अंकुश लगाने की मांग कर रही है, तो देखने वाली बात होगी कि विधायक महोदय क्या कदम उठाते हैं।

क्या निरीक्षक बनकर भी वर्दी से परहेज रखेंगे बरकरार, उप निरीक्षक थे तब भी नजर आते थे बिना वर्दी?

» मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी के लिए पुलिस वर्दी की नहीं है अहमियत, क्या उन्हें वर्दी पहनने में होती है ग्लानि?

» जब प्रोटोकॉल में भी बिना वर्दी नजर आने लगेंगे थाना प्रभारी निरीक्षक तो उठेंगे ही सवाल,देना होगा विभाग को जवाब

» बिना वर्दी के फिर नजर आए उप निरीक्षक से निरीक्षक बने मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी

» राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त भरतपुर सोनहत विधायक के कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के तहत निरीक्षक थे उपस्थित

» मनेंद्रगढ़ शहर के बहरूपिया प्रतियोगिता में सविप्रा उपाध्यक्ष भरतपुर सोनहत विधायक हुए थे शामिल

» प्रतियोगिता के दौरान प्रोटोकाल के तहत मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना प्रभारी के नेतृत्व में थी कानून व्यवस्था के लिहाज से उपस्थित

» पुलिस थाने के अन्य कर्मचारी नजर आए वर्दी में,अकेले निरीक्षक ही नजर आए बिना वर्दी

बहरूपिया प्रतियोगिता के दौरान राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त विधायक भरतपुर सोनहत के प्रोटोकाल के दौरान की है बात

पुलिस थाना मनेंद्रगढ़ के थाना प्रभारी जो अभी अभी उप निरीक्षक से निरीक्षक पद पर पदोन्नति प्राप्त किये हैं उन्हें बहरूपिया प्रतियोगिता के दौरान राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त भरतपुर सोनहत विधायक के कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान बिना वर्दी देखा गया है जबकि इस दौरान वह थाना प्रभारी मनेंद्रगढ़ की हैसियत से कानून व्यवस्था का जिम्मा सम्हाल रहे थे और वह कहीं न कहीं अतिथि का प्रोटोकाल पालन कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्हें बिना वर्दी देखे जाने पर कई लोग खुद से प्रश्न करते नजर आए और उन्होंने माना कि निरीक्षक साहब को वर्दी से लगाव नहीं है और वह वर्दी की कीमत और उसके महत्व से अनजान हैं।

- रवि सिंह -
मनेंद्रगढ़ 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के जिला मुख्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान प्रोटोकाल के तहत सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा सम्हाल रहे पुलिस थाना मनेंद्रगढ़ के थाना प्रभारी को बिना वर्दी देखा गया है और ऐसा पहली बार नहीं हुआ है वह कई बार बिना वर्दी के ही नजर आते रहें हैं चाहे बात थाना परिसर की हो या फिर किसी कार्यक्रम के दौरान प्रोटोकाल का पालन करने के दौरान की ही बात क्यों न हो। अब तो मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी को बिना वर्दी देखने की लोगों को आदत पड़ गई है और लोग भी यह सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि कहीं न कहीं मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी को वर्दी पहनने में दिक्कत महसूस होती है और उन्हें कहीं न कहीं ग्लानि का आभास होता है इसलिए ही वह वर्दी नहीं पहनते हैं और बिना वर्दी नजर आते हैं प्राय।

क्या राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त विधायक को थाना प्रभारी नहीं मानते प्रोटोकाल के लायक?

वैसे मामले में यदि देखा जाए तो यह भी सवाल उठता है कि क्या थाना प्रभारी राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त विधायक को प्रोटोकाल देने के लायक नहीं मानते और इसीलिए उन्होंने वर्दी नहीं पहनी और बिना वर्दी नजर आये। वैसे जैसा लोगों का भी कहना है कि थाना प्रभारी की पकड़ विधायक से भी ऊंची है और वह खुद ऊपर तक पहुंच की बात करते रहते हैं और इसीलिए वह विधायक की उपस्थिति में भी अपनी ही मनमानी करते हैं और अपने अनुसार ही अपने नियम बनाकर चलते हैं।

कार्यक्रम में अन्य पुलिसकर्मियों को देखा गया वर्दी में

वहीं यदि कार्यक्रम के दौरान अन्य पुलिसकर्मियों की पोशाक की बात की जाए तो सभी वर्दी में नजर आए और पूरी तरह प्रोटोकाल का पालन करते देखे गए। अन्य पुलिस कर्मियों को वर्दी की कीमत उसकी आन बान शान से समझौता करते नहीं देखा गया और सभी पूरे उत्साह में अपने काम पर नजर आए।

मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी नहीं थे वर्दी में,क्या वरिष्ठ अधिकारी मांगेंगे जवाब

पूरे मामले में यह भी एक सवाल है कि क्या मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी को बिना वर्दी कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी सम्हालने की छुट वरिष्ठ अधिकारियों ने दे रखी है क्या वरिष्ठ अधिकारी भी थाना प्रभारी को वर्दी पहनकर अनुशासन में रहना नहीं सीखा पा रहे और यदि ऐसा नहीं है तो क्या ताजा मामले में जिसमे स्वयं भरतपुर सोनहत विधायक की उपस्थिति थी और एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित था जिसमे थाना प्रभारी बिना वर्दी नजर आए मामले में थाना प्रभारी से वरिष्ठ अधिकारी जवाब लेंगे और जवाब लेकर कार्यवाही करेंगे।

वर्दी के लिए मिलता है पुलिसकर्मियों को भत्ता, वर्दी पहनना है अनिवार्य

पुलिस विभाग के कर्मचारियों को कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी मिली हुई है और उनके लिए अन्य शासकीय विभाग के कर्मचारियों से अलग वर्दी पहनने की अनिवार्यता इसलिए तय की गई है क्योंकि उन्हें अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान पहचान बताने की जरूरत न हो और वह निर्बाध होकर अपना कर्तव्य निर्वहन कर सकें वहीं उन्हें वर्दी के लिए भत्ता भी प्रदान किया जाता है शायद यह जानकारी अनुसार सही भी है और इसलिए पुलिसकर्मियों को अधिकारी हों या आम पुलिसकर्मी सभी को वर्दी पहनना अनिवार्य है। अब ऐसे में महत्वपूर्ण एवम अनिवार्य होते भी वर्दी न पहनना कहीं न कहीं स्वयं को वर्दी से भी ऊपर मानने जैसा है और इसी वजह से मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी वर्दी नहीं पहनते हैं यह माना जा सकता है।

खूंखार तेंदुए को पकड़ने वन विभाग ने पिंजरे में बांधा बकरा,तेंदुए के फंसने का है इंतजार

» कुंवारपुर वन परिक्षेत्र में तेंदुए ने महीने के शुरुआती हफ्ते में वृद्धा को मार,10 दिन पूर्व घर के आंगन में घुसकर 8 वर्षीय बालक को दबोच

» मां और दादी के शोर मचाने पर भाग निकला था तेंदुआ

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर/जनकपुर 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कुंवारपुर वन परिक्षेत्र में तेंदुए ने इसी महीने के शुरुआती हफ्ते में वृद्धा को मार डाला था, 10 दिन पूर्व घर के आंगन में घुसकर 8 वर्षीय बालक को दबोच लिया था मां और दादी के हल्ला मचाने पर भाग निकला था तेंदुआ। कुंवारपुर वनपरिक्षेत्र में विचरण कर रहा तेंदुआ अब जनहानि पहुंचाने लगा था।

ज्ञात हो की कुछ दिन पूर्व ही उसने एक वृद्धा को मार डाला था, इस घटना के 10 दिन बाद ही उसने घर के आंगन में घुसकर 8 वर्षीय बालक को दबोच लिया था। गनीमत रही कि वह आंगन की दीवार की

ऊंचाई को फांद नहीं पाया, अन्यथा बालक की जान जा सकती थी। जनहानि को देखते हुए वन विभाग द्वारा तेंदुए को पकड़ने का प्लान बनाया गया है। उन्होंने एक बलि का बकरा खोजा है। विभाग द्वारा पिंजरे में बकरे को बांधकर जंगल के बीच रखा गया है। फिलहाल तीन दिन से वन अमला बकरे को पिंजरे में चारा-पानी देकर तेंदुए के फंसने का इंतजार कर रहा है।

तेंदुए को पकड़ने पास के जंगल में 2 पिंजरे लगाए गए

वन विभाग का कहना है कि खूंखार तेंदुआ अब जनहानि पहुंचाने लगा है पखवाड़ेभर के भीतर एक वृद्ध महिला को मार डाला था, जबकि एक बच्चे पर हमला कर दिया था। मामले में फॉरेस्ट टीम लगातार प्रभावित एरिया में पेट्रोलिंग कर रही है। वहीं खूंखार तेंदुए को पकड़ने पास के जंगल में 2 पिंजरे लगाए गए हैं। ये दोनों पिंजरे कुंवारपुर वनपरिक्षेत्र के ग्राम आरा व ककरेड़ी जंगल में रखे गए हैं। ग्राम आरा में लगे पिंजरे में एक बकरा बांधकर रखा गया है। वन कर्मी रोजाना बकरे को खाना खिला रहे हैं। ऐसी चर्चा है कि जिस बकरे को पिंजरे में रखा गया है, उसे वन विभाग द्वारा 5 हजार रुपए में खरीदा गया है।

कहीं लोमड़ी-सियार या अन्य जानवर न फंस जाए पिंजरे में

वन विभाग का दावा है कि पिंजड़े में बकरा बांधकर जंगल में रखा गया है। साथ ही लगातार निगरानी की जा रही है। वहीं ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि कड़ाके की ठंड में रात को कर्मचारी जंगल से चले जाते होंगे। ऐसी स्थिति में लोमड़ी-सियार या अन्य कोई जानवर न फंस जाए।

रामसागर गुप्ता, प्रभारी रेंजर वनपरिक्षेत्र कुंवारपुर

तेंदुए को पकड़ने ग्राम ककरेड़ी और आरा जंगल में दो पिंजड़ा रखा गया है। आरा के कक्ष क्रमांक 1180 में रखे पिंजड़े में एक बकरा बांधा गया है जिससे तेंदुआ शिकार करने आएगा और पिंजड़े में फंस जाएगा।

क्या मुर्गा,शराब की पार्टी के बाद चिरमिरी ओपन कास्ट रवाना हो सकता है कबाड़ियों का गिरोह?

मुर्गा,शराब की पार्टी के बाद पुलिस को चकमा देने कबाड़ियों ने बनाई नई योजना, मोटरसाइकिल से होगी कबाड़ चोरी

- मोटरसाइकिल से पहुंचेगा कबाड़ियों का गिरोह,एक मोटरसाइकिल से एक से डेढ़ क्विंटल कबाड़ ले जाएंगे दानिकुंडीःसूत्र
- एमसीबी पुलिस से बचने कबाड़ गिरोह ने बदल लिया अपना ठिकानाःसूत्र
- दानिकुंडी में बैठा है कबाड़ियों का मुख्य सरगना,वहीं होती है कबाड़ की खरीदी
- खड़गवां के पिपरबहरा से 15 मोटरसाइकिलों से निकलेगा कबाड़ियों का गिरोह

- रवि सिंह -
मनेंद्रगढ़ 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सोशल मिडिया के अनुसार चिरमिरी सहित मनेंद्रगढ़ पुलिस की सख्ती के बाद अब कबाड़ियों ने अपने अवैध कारोबार के ठिकाने में बदलाव किया है और अब वह पेंड्रा मरवाही जिले के दानिकुंडी से अपना व्यवसाय कर रहें हैं और वहीं कबाड़ियों का मुख्य सरगना पहुंच चुका है और वहीं वह खरीदी कर रहा है अवैध कबाड़ का। मनेंद्रगढ़ सहित चिरमिरी की पुलिस अभी हाल में ही कबाड़ और कोयले के अवैध कारोबार को लेकर तब सक्रिय हुई जब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने क्षेत्र का भ्रमण किया और उन्होंने अवैध कारोबार को खुलेआम उजागर किया जिसकी वीडियो भी उन्होंने सोशल मीडिया पर डालते हुए सरकार विधायक सहित प्रशासन पर सवाल खड़ा किया था और सभी की मिलीभगत बताते हुए प्रश्न उठाये थे।

पेंड्रा मरवाही जिले के दानिकुंडी में बैठा है कबाड़ियों का मुख्य सरगना

सूत्रों की माने तो जबसे मनेंद्रगढ़ सहित चिरमिरी की पुलिस सक्रिय हुई है और अवैध कारोबारियों पर कार्यवाही कर रही है तभी से कबाड़ियों ने अपना ठिकाना बदल लिया है और अब कबाड़ियों का मुख्य सरगना पेंड्रा मरवाही जिले के दानिकुंडी में जाकर बैठ चुका है और वहीं कबाड़ की खरीदी कर रहा है।

दानिकुंडी जिले एमसीबी जिले के बॉर्डर पर है स्थित

दानिकुंडी जो पेंड्रा मरवाही जिले में स्थित है वह एमसीबी जिले के बॉर्डर पर स्थित है और चिरमिरी सहित मनेंद्रगढ़ से कई रास्ते हैं जो दानिकुंडी जाते हैं। एक तरह से देखा जाए तो दानिकुंडी से कबाड़ का अवैध व्यवसाय जो चिरमिरी के अवैध कबाड़ से होता है उसे करना आसान है इसलिए कबाड़ियों के सरगना ने इसे उचित मानकर वहां अपना ठिकाना बनाया है।

शराब मुर्गा की पार्टी कर चिरमिरी ओपन कॉस्ट रवाना होगा कबाड़ चोरों का गिरोह,सूत्र

सूत्रों की माने तो शराब मुर्गा की पार्टी का दौर चल रहा है और जल्द ही कबाड़ चोरों का गिरोह चिरमिरी ओपन कास्ट के लिए रवाना होगा और वहां कबाड़ चोरी की घटना को अंजाम देगा। कबाड़ चोरी कर कबाड़ दानी कुंडी लेजाकर कबाड़ चोरों के सरगना को बेच दिया जाएगा। चिरमिरी ओपन कास्ट से कबाड़ चोरों द्वारा कबाड़ चोरी की घटना को अंजाम देने से पहले तैयारी की जा रही है यह सूचना मिल रही है।

15 मोटरसाइकिलों से खड़गवां के पिपरबहरा से आएगा कबाड़ चोरों का गिरोह चिरमिरी

जैसा कि सूत्रों का कहना है कि कबाड़ चोरों ने अपने चोरी के तरीके को बदल दिया है कबाड़ जुटाने की भी जगह बदल दी है क्योंकि पुलिस वर्तमान में सक्रिय है और कार्यवाही करने तलाशी अभियान जारी रखे हुए है और इसीलिए कबाड़ चोरों द्वारा अपना चोरी का तरीका बदल दिया गया है और अब वह बड़ी गाड़ियों की जगह मोटरसाइकिल का उपयोग करने वाले हैं और मोटरसाइकिल से ही कबाड़ चोरी कर वह दानिकुंडी ले जाकर मुख्य सरगना तक पहुंचाएंगे। पूरे मामले में सूत्रों का कहना है कि खड़गवां के पिपरबहरा से 15 मोटरसाइकिल से कबाड़ चोर चिरमिरी पहुंचकर घटना को अंजाम देने की तैयारी में हैं।

एक एक मोटरसाइकिल में एक से डेढ़ क्विंटल कबाड़ ले जाने की है योजना

कबाड़ चोरों द्वारा एक एक मोटरसाइकिल से एक से डेढ़ क्विंटल कबाड़ चिरमिरी से चोरी कर ले जाने जी योजना बनाई गई है। अब पंद्रह मोटरसाइकिल से कितना कबाड़ एकबार में ले जाया जा सकेगा यह समझा जा सकता है।

पुलिस कैसे कर पाती है कबाड़ चोरों की चोरी की नई तरकीब पर नकेल देखने वाली होगी बात

कबाड़ चोरों की नई तरकीब जो कबाड़ चोरी के लिए बनाई गई है उसपर चिरमिरी पुलिस कैसे नकेल कस पाती है यह देखने वाली बात होगी। कबाड़ चोरों ने तो तय कर लिया है कि अब नए तरीके से चोरी की घटना को वह अंजाम देंगे लेकिन पुलिस इस चोरी को कैसे रोकती है यह उसकी काबलियत सिद्ध करेगी। वैसे यदि कबाड़ चोरी नहीं रुक सकी तो पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल जरूर उठेगा क्योंकि सूत्रों के अनुसार 15 मोटरसाइकिल से यह चोरी होगी और चिरमिरी से बाहर जाने के लिए उन्हें कोई न कोई मार्ग चुनना ही पड़ेगा और क्या पुलिस कार्यवाही कर पाती है देखने वाली बात होगी।

चोरों ने मोबाइल दुकान को बनाया निशाना

- संवाददाता -
कोरबा, 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बीती रात चोरों ने कोसा बाड़ी क्षेत्र में स्थित ढीलू मोबाइल रिपेयरिंग सेंटर एंड एसेसरीज और राधिका ज्वेलर्स में धावा बोलते हुए मोबाइल रिपेयरिंग दुकान से चोरों ने लगभग 3 लाख रुपए कीमती मोबाइल की चोरी कर ली द्व वही राधिका ज्वेलर्स में चोरों को सफलता नहीं मिली द्व रामपुर चौकी के कुछ ही दूरी में स्थित इन दो दुकानों से चोरी होना कहीं ना कहीं पुलिस पेट्रोलिंग गस्त पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया हैं द्व सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार देर रात तक कोसा बाड़ी चौक और निहारिका चौक पर पुलिस के जवान तैनात रहते हैं ,इसके बावजूद चोरी होना समझ से परे हैं। जानकारी के अनुसार कोसा बाड़ी चौक पर संचालित राधिका ज्वेलर्स में बीती रात चोरी का असफल प्रयास किया गया। यहां लगे सीसीटीवी कैमरे मे एक अज्ञात युवक की हरकत कैद हुई , जो मुख्य द्वार पर लगे ताला को तोडने के बाद शटर खोलने का प्रयास करते दिख रहा है। ज्वेलर्स संचालक शेखर सोनी ने बताया कि उनके शॉप में चोरी का असफल प्रयास किया गया है। चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि मुख्य मार्ग से लगे दुकान भी निशाने पर हैं। रात करीब डेढ़ बजे चोरी की घटना को अंजाम देने की फिराक से सीसीटीवी कैमरे में एक अज्ञात युवक का चेहरा कैद हुआ है। सुबह दुकान पहुंचने पर ताला टूटा होना पाए जाने पर सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाने पर इसकी जानकारी हुई।

छात्राओं ने प्राचार्य को दी लिखित शिकायत, शिक्षक करता है गंदी बात

- कलेक्टर ने लिया संज्ञान, बीईओको दिए शिकायत में जाच केआदेशशिकायत भी सही मिली*
- कया इन अतिथि शिक्षकों के चरित्र प्रमाण पत्र का सतयापन कराता है शिक्षा विभाग?

- संवाददाता -
खडगवा, 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जरौधा हायर सेकेण्ड्री की छात्राओं ने स्कूल के प्राचार्य को एक लिखित शिकायत दी कि सकूल के शिक्षक के द्वारा उनसे मोबाइल पर एवं ऐसे भी गंदी बात एवं गंदे मजाक भी करते है और उनका पीछा करते है, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, परन्तु प्राचार्य ने मामले को हल्के में लेकर शिकायत को दबा कर रख दी गई। इस मामले की जानकारी जैसे ही एमसीबी कलेक्टर को लगी, उसके बाद तत्काल खडगवा के बीईओ मौके पर पहुंचकर छात्राओं से बात कर मामले की जाच करने पर सही पाया, गया जिसस पर एक पंचनामा एवं शिकायत को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

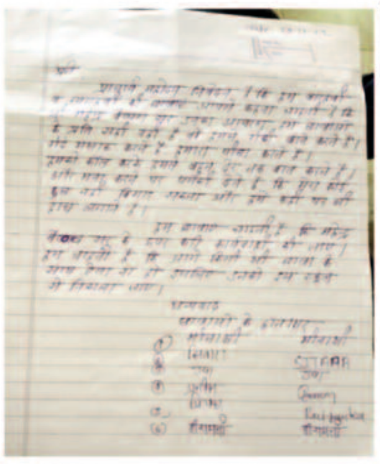

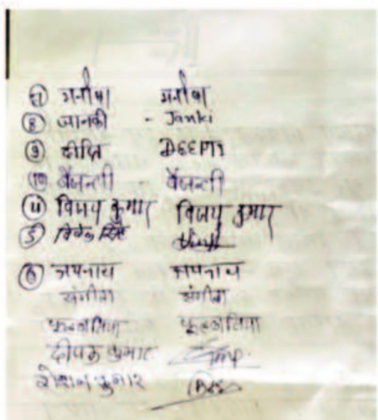

परन्तु अब तक आरोपी शिक्षक के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

इस संबंध में बीईओ खडग़वा डीपी मिश्रा का कहना है कि जैसे ही शिकायत की जानकारी प्राप्त हुई मैं तत्काल जरौधा हायर सेकंडरी स्कूल पहुंच कर शिकायत के संबंध में जाच की गई मैंने छात्राओं ने व्यक्तिगत बात की तो मामला सही पाया गया , मैं मामले की पूरी रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी को सौपूंगा, उसके बाद कार्रवाई तय की जाएगी।

जानकारी के अनुसार एमसीबी जिले के खडगवां तहसील के जरौंधा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने अतिथि शिक्षक महेंद्र वैष्णव के खिलाफ प्राचार्य को शिकायत दी। शिकायत के बाद प्राचार्य ने कोई एक्शन नहीं लिया, बल्कि शिकायत को रजिस्टर में दबा कर रख दी।

कुछ दिन बाद छात्राओं के पालकों को जब इसकी जानकारी हुई तो मामला कलेक्टर के पास पहुंचा। कलेक्टर ने तत्काल बीईओ खडग़वां को मौके पर भेजा, जहां पालक उपस्थित थे।

बीईओ ने सभी पालकों से चर्चा की, उसके बाद छात्राओं से बात की, जिसमे छात्राओं ने खुलकर अपनी पीड़ा बताई, छात्राओं ने उन्हें बताया कि अतिथि शिक्षक महेन्द्र वैष्णव द्वारा उनसे गलत हरकत की जाती है, गंदी बात की जाती है और उनका पीछा भी किया जाता है।

बीईओ ने जब छात्राओं की बातें सुनी तो हैरान रह गए, अब वे मामले की रिपोर्ट बना कर जिला शिक्षा अधिकारी को भेज रहे हैं, ताकि कार्रवाई सुनिश्चित हो

कोरबा प्रेस क्लब ने पत्रकार पर हुए जानलेवा हमले पर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के लिए कलेक्टर-एएसपी को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
कोरबा, 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा प्रेस क्लब के सदस्य व अधिमान्य पत्रकार के साथ शुक्रवार की रात एमपी नगर उद्यान के समीप शराब के नशे में बेवजह विवाद करते हुए 10-15 बदमाशों द्वारा जानलेवा हमला किया गया। उपरोक्त हमले में पत्रकार के हाथ, चेहरे, सर व दांत में चोट आई है। आरोपी लाठी डंडे सहित लोहे के हथियार से लैस थे। आरोपियों को परिचय देने पर भी वो लोग रुके नहीं बल्कि पत्रकार कहकर गाली-गलौज व मारपीट की । उपरोक्त घटना के दौरान बीच बचाव करते समय प्रेस क्लब के उप सचिव धीरज कुमार दुबे को मामूली चोट आई है। कोरबा प्रेस क्लब ने पत्रकार पर जानलेवा हमले की जताई निंदा । इस संबंध में कोरबा प्रेस क्लब द्वारा अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही और तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शनिवार को कलेक्टर संजीव झा के बंगले पहुंचकर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया है। वहीं एसपी संतोष सिंह के बैठक के सिलसिले में बाहर होने पर एएसपी अभिषेक वर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान प्रेस क्लब संरक्षक कमलेश यादव, अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष विवेक शर्मा, सचिव दिनेश राज, कोषाध्यक्ष रंजन प्रसाद, कार्यकारिणी सदस्य हरीश तिवारी, मनोज यादव, रमेश वर्मा समेत प्रेस क्लब सदस्य विजय दुबे, रघुनंदन सोनी, कृष्ण कुमार राठौर, नीलम पडवार, राजेश मिश्रा, मोतीलाल नायक, गया नाथ मौर्य एवं अन्य पत्रकार उपस्थित थे।

शराब दुकान हटाने की मांग

अम्बिकापुर, 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

गंगापुर की देसी शराब दुकान को हटाने के लिए गंगापुर के निवासियों ने पिछले 5 वर्षों से लगातार संघर्ष किया जा रहा है।गंगापुर की महिलाओं के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों के द्वारा निरंतर देसी मदिरा दुकान को हटाने की मांग को लेकर शासन प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं किंतु शासन प्रशासन में बैठे अधिकारियों ने गंगापुर की देशी मदिरा दुकान को हटाने का आश्वासन तो दिया था। किंतु अभी तक इस दुकान को नहीं हटाया गया है जिलाध्यक्ष सरगुजा एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों ने देसी मदिरा दुकान को हटाने के लिए सरकार की जिले में एक बार बैठक होती है,उस बैठक में आपकी बातें रखी जाएंगी और शांति समिति की बैठक में आप के नेतृत्व करने वाले दो तीन नेताओं को बुलाया जाएगा और उनके बीच देसी मदिरा दुकान को हटाने की कार्यवाही की जाएगी। किंतु कांग्रेस की सरकार का 4 वर्षों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। लेकिन आज तक गंगापुर की शासकीय देसी मदिरा दुकान को नहीं हटाए जाने के कारण आज 31 दिसंबर 2022 को नगर अंबिकापुर के गंगापुर में शराब दुकान को हटाए जाने के संबंध में फिर से समाज सेविका की टीम ने वहां की महिलाओं के साथ बैठकर एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया गया। और अगर जल्द शराब दुकान नहीं हटता है तो गंगापुर महिलाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा प्रदर्शन में सामाजिक संस्था के डायरेक्टर मिस्टर अंकुर सिन्हा सुरेश राम बुनकर नगर श्रीमती अनीता साहनी आचार्य दिग्विजय सिंह तोमर एवं सुजान बिंद जी पार्वती विश्वकर्मा सुनीता सिंह मीना केसरी उर्मिला गुप्ता नीलम सोनी और अन्य लोग उपस्थित हुए।

एडवेंचर स्पोर्ट्स व नामचीन कलाकारों की महफिल फिर सजेगी महोत्सव में

- जनवरी के पहले सप्ताह से ही शुरू की जाएगी मैनपाट महोत्सव की तैयारी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मैनपाट महोत्सव में इस बार फिर एडवेंचर स्पोर्ट्स के साथ स्थानीय एवं नामचीन कलाकारों की महफिल सजेगी। तीन दिवसीय आयोजन में विभागीय स्टाल भी लगाए जाएंगे। मैनपाट महोत्सव की व्यापक तैयारी के संबंध में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने सभी विभागीय अधिकारियों को उनके दायित्वों के बारे में बताया। उन्होंने मैनपाट महोत्सव की तैयारी आगामी 2 जनवरी से प्रारंभ कर देने की बात कही। उन्होंने बताया कि 10 से 12 फरवरी 2023 तक रोपखार जलाशय के समीप मैनपाट महोत्सव प्रस्तावित है।

सर्वप्रथम सभी पर्यटन स्थल की ओर जाने वाली सड़कों के मरम्मत एवं रख-रखाव एवं सभी जगह सुविधाजनक टॉयलेट की व्यवस्था पेयजल की व्यवस्था साइनेज की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। मैनपाट महोत्सव में आने वाले पर्यटकों के लिए पार्किंग की सुविधाजनक व्यवस्था पर विशेष रूप से बल दिया। इस हेतु अनुविभागीय अधिकारी सीतापुर को विशेष रूप से निर्देशित किया कि सभी को सुविधाजनक पार्किंग की व्यवस्था मिले। मैनपाट महोत्सव को भव्य बनाने हेतु गत वर्ष की भांति गरिमामय ढंग से कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु विभाग वार उनके दायित्व को समझाया गया और सभी को अपने-अपने दायित्व निर्वहन हेतु पूरे मनोयोग से जुट जाने हेतु कहा गया। मुख्य मंच, हेलीपेड, पार्किंग, पेयजल, बिजली, शौचालय की व्यवस्था आदि के लिए अधिकारियों को ज़िम्मेदारी दी गई।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप,संयुक्त कलेक्टर श्री टीसी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

नया साल मनाने में कोलाहल नियमों का करना होगा पालन

अम्बिकापुर, 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नव वर्ष के आगमन पर विभिन्न कार्यक्रमों में रात्रि में लाउडस्पीकर व अन्य साउंड सिस्टम से ऊंची आवाज के कारण ध्वनि प्रदूषण के स्तर में वृद्धि को देखते हुए कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के द्वारा 31 दिसम्बर 2022 व 1 जनवरी 2023 की रात्रि में ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 के नियम 5 के उपनियम 3 के तहत उक्त दोनों तिथियों में रात्रि 10 बजे से अर्ध रात्रि 12 बजे तक उक्त नियम के अध्यधीन ही लाउडस्पीकर, साउंड सिस्टम के उपयोग की अनुमति प्रदान की गई है। आदेश में उक्त नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने कहा गया है तथा आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

9 बच्चों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र व 2 को मिला हियरिंग मशीन

अम्बिकापुर, 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

`डिकल कॉलेज सम्बद्ध जिला अस्पताल में शनिवार को 28 बच्चों का मेडिकल परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरांत 9 बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र व 2 बच्चों को हियरिंग मशीन दिया गया। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले के स्कूली बच्चे जो एमआई, अस्थि, दृष्टि आदि व्याधियों से ग्रसित है।

एमएमयू से अब तक 1 लाख 97 हजार से अधिक लोगों को मिला निःशुल्क ईलाज

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 31 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक 1 लाख 91 हजार 797 लोगों को निःशुल्क ईलाज मिला है। इस योजना के तहत मोबाईल मेडिकल यूनिट द्वारा शहर के स्लम क्षेत्र के गली-मोहल्लों में शिविर लगाया जाता है जिससे लोगों को छोटी-छोटी बीमारी के ईलाज के लिए अस्पताल नहीं जाना पड़ता। नगर निगम अम्बिकापुर में 4 एवं नगर पंचायत सीतापुर व लखनपुर में एक मोबाइल मेडिकल यूनिट से कैम्प लगाए जा रहे हैं।

शुक्रवार को केदारपुर में लगाये गए स्वास्थ्य शिविर में स्थानीय 59 वर्षीय झुंगुर राम स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे। उसे घुटने में दर्द और बीपी की शिकायत थी। एमएमयू में उपस्थित डॉक्टर ने उनका स्वास्थ्य जांच कर उसे जेलक्रीम और टेबलेट प्रदान किया गया। इसके साथ ही बीपी की जांच करके निःशुल्क बीपी की दवा प्रदान की। झुंगुर राम ने बताया कि मैं मज़दूरी करके जीवन यापन करता हूँ। समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श और निःशुल्क दवा लेने के लिए एमएमयू में आता हूँ। निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए मैं मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देता हूँ।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत जिले में कुल 5 मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा प्रतिदिन निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है। पांचों एमएमयू में प्रतिदिन औसतन 74 लोगों का स्वास्थ्य जांच सह उपचार किया जाता है। एमएमयू का संचालन चिन्हांकित स्लम एरिया में प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाता है। इसमें कुल 41 प्रकार के स्वास्थ्य जांच के लिए लैब की सुविधा उपलब्ध है जहाँ निःशुल्क लैब टेस्ट कर तत्काल रिपोर्ट दिया किया जाता है।

31 दिसंबर 2022 तक शहरी क्षेत्रों में एमएमयू द्वारा कुल 2605 कैम्प लगाकर 1 लाख 84 हजार 834 लोगों का निःशुल्क ईलाज किया गया है। इनमें से कुल 1 लाख 37 हजार 354 लोगों को ईलाज कर दवा का वितरण, 37 हजार 646 लोगों का निःशुल्क लैब टेस्ट किया गया है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि :- 27/12/2022

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

1. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate. gov.in
2. आनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि -17.01.2023
2 संबंधित संभाग-अम्बिकापुर

सरल क्रं	एन.आई.टी कं/ऑन लाईन सिस्टम क्र	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	173 118461 1st Cal DClass and above	जेलो में बंदी शौचालय निर्माण कार्य के अंतर्गत केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर में 6 यूनिट (60 नग) शौचालय का निर्माण कार्य	39.35

जी नंबर-97192/3

अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

फिर मैदान में आमने सामने होंगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी

अर्जेन्टाईना ,31 दिसम्बर 2022। फुटबॉल फैंस के लिए खुशखबरी है। स्टार फुटबॉलर और फीफा विश्व कप विजेता टीम के लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार से मैदान पर आमने सामने आ सकते है। पेरिस सेंट जर्मन की टीम एक फ्रेंडली मुकाबले के लिए सऊदी अरब की यात्रा जनवरी में कर सकती है।

जानकारी के मुताबिक पेरिस सेंट जर्मन की टीम का मुकाबला अल नासर और अल हिलाल की टीम संयुक्त टीम से होगा। बता दें कि दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो सऊदी अरब के क्लब अल नासर के साथ जुड़ गए है। इसकी जानकारी खुद क्लब ने दी थी।

अल नासर क्लब ने सोशल मीडिया पोस्ट में फोटो शेयर करते हुए बताया था कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो अल नासर क्लब के साथ जुड़ गए है। फोटो में रोनाल्डो नासर क्लब की जर्सी पहने नजर आए थे। बता दें कि क्लब और रोनाल्डो के बीच वर्ष 2025 तक के लिए करार हुआ है। क्लब के मुताबिक ये साझेदारी के कारण युवा वर्ग खेल में शामिल होने के लिए प्रेरित होगा।

अल नासर ने पांच बार के बैलन डिओर विजेता रोनाल्डो की तस्वीर सोशल मीडिया पर जारी की है जिसमें वह टीम की जर्सी पकड़े हुए हैं। रोनाल्डो ने इससे पहले इस क्लब के साथ जून 2025 तक करार किया। क्लब ने कहा कि इस करार से न सिर्फ क्लब को अच्छी सफलताएं हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी बल्कि इससे हमारी लीग, हमारे देश और भविष्य की पीढ़ियों को भी सर्वश्रेष्ठ करने की प्रेरणा मिलेगी। इस 37 वर्षीय फुटबॉल स्टार का यह करियर का अंतिम करार हो सकता है जिसके लिए उन्हें मोटी धनराशि मिलेगी।

मेसी ने जिताया था अर्जेंटीना का विश्व कप

कतर में 18 दिसंबर को हुई फीफा विश्व कप के फाइनल मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट की मदद से अर्जेंटीना की टीम को लियोनेल मेसी की अगुवाई में कप जीतने का मौका मिला था। इस कप के साथ ही लियोनेल मेसी भी दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए थे। वहीं अब फिर से मेसी इस मुकाबले के लिए मैदान पर दिखाई देंगे। फुटबॉल फैंस मेसी को फुटबॉल मैदान पर देखने के लिए काफी उत्साहित है।

फुटबॉल के महान खिलाड़ी पेले के सम्मान में राष्ट्रपति का बड़ा ऐलान

तीन दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित

ब्यूनस आयर्स ,31 दिसम्बर 2022। ब्राजील के राष्टपति जायर बोलसोनारो ने तीन बार के विश्व फुटबॉल चैंपियन रहे पेले के सम्मान में तीन दिन के राष्टीय शोक की घोषणा की है।

ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले का गुरुवार देर रात 82 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी बेटी कैली नैसिमेंटो ने सोशल मीडिया पर उनके निधन की जानकारी दी। पेले कैंसर से जूझ रहे थे। उन्हें 29 नवंबर को साओ पाउलो के अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दुनिया में फुटबॉल के बेताज बादशाह या फिर फुटबॉल के जादूगर कोलन कैंसर से पीड़ित थे और उनके शरीर के अधिकतर अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। इससे पहले दिन में श्री बोलसोनारो ने पेले के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। राष्टपति ने ट्वीट किया कि फुटबॉल के इस महान खिलाड़ी ने दुनिया में ब्राजील को नयी ऊंचाई पर पहुंचाकर नाम रोशन किया है। बोल्सोनारो ने ट्वीट किया, पेले ने हमेशा फुटबॉल को एक कला और अपने आनंद के तौर पर देखा है।

गौरतलब है कि सितंबर 2021 में पेले को कोलन ट्यूमर का पता चला था। इस वर्ष में उन्हें तीन ट्यूमर और मूत्राश्य में संक्रमण होने पर इलाज के लिए दो बार अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पेले को 30 नवंबर को दिल से संबंधित परेशानी सहित शरीर में सूजन आने के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। बाद में यह बताया गया कि पेले को कीमोथेरेपी दी गयी जिसका कोई संतोषजनक परिणाम सामने नहीं आया।

पेले इससे पहले भी कई बार चेकअप कराने के लिए अस्पताल में भर्ती हुए थे। पिछले दिनों कतर में फीफा वर्ल्ड कप की शुरुआत में ही पेले ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक फोटो पोस्ट की थी। उन्होंने फैंस को सपोर्ट करने के लिए धन्यवाद दिया था।

भारतीय फुटबाल महासंघ ने की सात दिन के शोक की घोषणा

ब्राजील के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी पेले के निधन पर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने सात दिनों के शोक की घोषणा की है।

एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा, फुटबॉल के महान खिलाड़ी पेले के निधन से हम बहुत दुखी हैं और उनकी उपलब्धियों को याद करने के लिए हम सात दिन का शोक मनाएंगे। इस अवधि में एआईएफएफ का झंडा आधा झुका रहेगा।

फुटबॉल की दुनिया के बादशाह का भारत से गहरा नाता है। पेले ने भारतीय उपमहाद्वीप का एक से अधिक बार दौरा किया था। पेले की टीम कासमास ने 1977 में ईडन गार्डन्स में मोहन बागान के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेला था।

डॉ. प्रभाकरन ने कहा, हम खुशनसीब हैं कि पेले इतने मौकों पर हमसे मिलने आए हैं। वह आखिरी बार यहां 2018 में आये थे। वह हमेशा चाहते थे कि भारतीय फुटबॉल का विकास हो और उसका भविष्य उज्ज्वल हो।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीन बार के विश्वकप विजेता पेले के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होने कहा पेले ने अपने प्रदर्शन और उपलब्धियों के जरिये दुनिया भर में अनगिनत फुटबाल प्रेमियों को प्रेरित किया। उनके निधन की खबर ने मुझे 2015 में हमारी यादगार मुलाकात की याद दिला दी। इस कठिन समय में मेरी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।

बीसीसीआई टी20 विश्व कप प्रदर्शन की समीक्षा नये साल पर करेगा

नयी दिल्ली 31 दिसंबर 2022। बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी एक जनवरी को कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ के साथ टी20 विश्व कप में भारत के लचर प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। द्रविड़ की अनुपस्थिति में भारतीय टीम के साथ रहे एनसीए (राष्टीय क्रिकेट अकादमी) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के भी बैठक में शामिल होने की उम्मीद है। श्रीलंका के खिलाफ तीन जनवरी से शुरू हो रहे सीमित ओवरों के मैच से पहले मुंबई में यह बैठक होनी है। इंग्लैंड ने विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत को 10 विकेट से हराया था। भारत आखिरी बार 2013 के आईसीसी प्रतियोगिता का चैंपियन बना था।

टीम ने तब महेन्द्र सिंह धोनी के नेतृत्व में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। घरेलू सरजमीं पर भारतीय टीम ने 2011 में आईसीसी विश्व कप का खिताब जीता था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, ''मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के बीसीसीआई पदाधिकारियों के साथ भारत के प्रदर्शन का विश्लेषण करने की उम्मीद है। इस दौरान 2023 विश्व कप के खाके परचर्चा होने की उम्मीद है।'' भारतीय टीम के टी20 विश्व कप अभियान के बाद चेतन शर्मा के नेतृत्व वाली चयन समिति को बर्खास्त कर दिया गया था। नयी समिति का गठन नहीं होने के कारण हालांकि उन्हें रणजी ट्रॉफी के मैचों पर नजर रखने और श्रीलंका के खिलाफ तीन टी-20 अंतरराष्टीय और इतने ही वनडे मैचों की श्रृंखला के लिए टीम चुनने की जिम्मेदारी दी गयी।

जडेजा ने रोका मुबंई का विजय रथ,सौराष्ट्र 48 रन से जीता

मुंबई ,31 दिसम्बर 2022। धर्मेंद्रसिंह जडेजा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत सौराष्ट ने सितारों से सजी 41 बार की रणजी चैंपियन मुबंई का विजय रथ रोकते हुये 48 रन की यादगार जीत हासिल की। बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स मैदान पर रणजी ट्राफी के ग्रुप बी मुकाबले में सौराष्ट ने टास जीत कर पहले खेलते हुये अपनी पहली पारी में 289 रन बनाये जिसके जवाब में मुबंई की टीम पहली पारी में 230 रन पर सिमट गयी। सौराष्ट ने 59 रन की लीड लेने के बाद दूसरी पारी में 220 रन बनाये और मुबंई को जीत के लिये 280 रन का विजय लक्ष्य दिया मगर मुबंई का फ्लाप शो दूसरी पारी में भी जारी रहा और पूरी टीम 231 रन बना कर पवेलियन लौट गयी।

मुबंई की अब तक खेले गये तीन मैचों में पहली हार थी जबकि पहले दो मैच ड्रा खेलने वाली सौराष्ट की यह पहली जीत थी। इस मैच के बाद मुबंई के तीन मैचों में 13 अंक है और वह अभी भी अंकतालिका में पहले स्थान पर है, वहीं सौराष्ट 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

प्लेयर आफ द मैच चुने गये धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने पहली पारी में 24 रन बनाने के बाद मुबंई की पहली पारी में चार बेशकीमती विकेट चटकाये। दूसरी पारी में जडेजा ने 90 रन बना कर पहले बल्ले से कमाल दिखाया और फिर मुबंई की दूसरी पारी में भी दो विकेट लुढ़का दिये। जडेजा के अलावा प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने वाले युवराज सिंह डोडिया ने मुबंई की पहली और दूसरी पारी में चार-चार विकेट चटका कर अपनी उपयोगिता को सार्थक किया।

मुबंई की ओर से धाकड़ सूर्यकुमार यादव ने अपने चिरपरिचित अंदाज में पहली पारी में 95 और दूसरी पारी में 38 रन बनाये। इसके अलावा पहली पारी में सरफराज खान के 75 रन और दूसरी पारी में पृथ्वी शा के 68 रन भी मुबंई के लिये आकर्षण का केन्द्र बने।

इंडिया ओपन 2023 में भारतीय चुनौती की राह कठिन

नयी दिल्ली 31 दिसंबर 2022। अगले साल 17 से 22 जनवरी के बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेली जाने वाली योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2023 के पुरूष एकल में भारत के शीर्ष वरीय खिलाड़ियों किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन को एक चार्टर में रखा गया है जिसके चलते चार्टर फाइनल में इनमे से सिर्फ एक खिलाड़ी को जाने का मौका मिलेगा वहीं पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु का मुकाबला शुरुआती दौर में थाईलैंड की सुपनिदा कटेथोंग से होगा।

एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीरीज का हिस्सा योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन को इस साल सुपर 750 श्रेणी में अपग्रेड किया गया है जिसका मतलब है कि विश्व बैडमिंटन के लगभग सभी शीर्ष सितारे यहां केडी जाधव इंडोर हाल में एक्शन में नजर आयेंगे।

भारत को खिताब दिलाने की उम्मीदें किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन की तिकड़ी पर टिकी हैं,

लेकिन ड्रॉ के अनुसार उनमें से केवल एक खिलाड़ी ही चार्टर फाइनल में जगह बनाने की स्थिति में होगा है। गत विजेता लक्ष्य सेन हमवतन प्रणय के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। इससे पहले जब डेनमार्क ओपन में लक्ष्य और प्रणय ने आखिरी बार मुकाबला किया था तो लक्ष्य ने जीत हासिल की थी।

महिला एकल में पीवी सिंधु राष्टमंडल खेलों के बाद पहली बार कोर्ट में नजर आयेंगी, जहां उनका मुकाबला सुपनिदा कटेथोंग से होगा वहीं साइना नेहवाल डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। मालविका बंसोड़ और आकर्षी कश्यप महिला एकल ड्रॉ में अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं।

युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी डेनमार्क के जेप्पे नाय और लासे मोल्हेडे से भिड़ेगी। इस चार्टर में दुनिया की नंबर दो जोडी ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी शामिल हैं।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट ड्रा

कराची 31 दिसंबर 2022। रनों से भरपूर कराची की नेशनल स्टेडियम की पिच पर गेंदबाजों के लाख पसीना बहाने के बावजूद पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच हार जीत के फैसले के बिना समाप्त हो गया।

मैच के पांचवें और आखिरी दिन पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमामउल हक (96) की पारी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र रही हालांकि वह करियर के चौथे टेस्ट शतक से मात्र चार कदम दूर रह कर इश सोढी का शिकार बने। इसके अलावा सरफराज अहमद (53) और सउद शकील (55) ने पाकिस्तान को सुरक्षित स्कोर तक ले जाने में महती योगदान दिया।

पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 438 रन बनाये थे जिसके जवाब मे न्यूजीलैंड ने नौ विकेट पर 611 रन बना कर पारी समाप्ति की घोषणा कर दी थी। बाद में पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 311 रन बना कर घोषित की। खेल खत्म होने के समय तक न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 61 रन बना लिये थे।

सलमान खान फिर शुरू करेंगे टाइगर 3 की शूटिंग,एक्शन से भरपूर होगा आखिरी शेड्यूल

सलमान खान 2023 में दो बड़ी फिल्मों के साथ पर्दे पर धमाकेदार एंट्री करने वाले हैं। एक ओर जहां अभिनेता की किसी का भाई किसी की जान ईद के मौक पर रिलीज होगी, वहीं साल के आखिर यानी 10 नवंबर को सलमान की टाइगर 3 सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान अगले साल फरवरी में मनीष शर्मा की टाइगर 3 की शूटिंग को फिर शुरू करेंगे। फिल्म का आखिरी शेड्यूल दिल्ली में एक हफ्ते में शूट होगा।

इस फिल्म का आखिरी शेड्यूल एक्शन से भरपूर होगा। इसमें सलमान और बॉडी बिल्डर वरिंदर सिंह घुमन एक-दूसरे से भिड़ते नजर आएंगे। यह फिल्म साल 2012 में आई टाइगर का तीसरा पार्ट है। इस फिल्म का दूसरा पार्ट टाइगर जिंदा है 2017 में रिलीज हुआ था। अब दर्शक टाइगर 3 का ब्रेसबी से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में सलमान के साथ अभिनेत्री कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं।

शॉर्ट ड्रेस में अलाया एफ ने कराया फोटोशूट

एक्ट्रेस अलाया एफ ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर के सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। अभिनेत्री अलाया एफ की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपनी बोल्ड और सेंसुअस अदाओं का जलवा इंटरनेट पर बिखेरती रहती हैं। हालांकि एक बार फिर अलाया एफ की लेटेस्ट हॉट फोटोज देख कर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस अलाया एफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान एक बार फिर बेबाकि से कैमरे के सामने अपने हुस्न का जादू चलाया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अलाया एफ बेहद ही हॉट और ग्लैमरस लुक्स में नजर आ रही हैं। अलाया एफ ने अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में ग्रीन कलर की वन साइड शोल्डर ड्रेस पहनी हुई है। एक्ट्रेस अलाया अपने इस लुक में बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही है। उनका मुड़कर पोज देते हुए कैमरे के सामने कातिलाना अंदाज से देखना फैंस के दिलों पर खंजर चला रहा है।

एक्ट्रेस अलाया एफ इन तस्वीरों में अपनी परफेक्ट टोंड बॉडी और टैटू फ्लॉन्ट करते हुए हॉटनेस का तड़का लगा रही हैं। ओपन हेयर और नो मेकअप लुक एक्ट्रेस अलाया एफ के इस आउटलुक को और भी अच्छे से निखार रहा है। अलाया एफ के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो एक्ट्रेस ने सैफ अली खान की फिल्म जवानी जानेमन से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हालांकि अब वो जल्दी ही कार्तिक आर्यन के साथ अलाया ने फ्रेडी में लीड रोल निभाते हुए दिखाई देंगी।

कार्तिक आर्यन अपने बर्ताव के कारण हेरा फेरी 3 से हुए बाहर ?

हेरा फेरी 3 अपनी कास्टिंग को लेकर चर्चा में है। जब से फिल्म से अक्षय कुमार के बाहर होने की बात सामने आई है, फिल्म के प्रशंसक निराश हैं। फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी की तिकड़ी ही फिल्म की पहचान है। ऐसे में अक्षय का बाहर होना लोगों को रास नहीं आया। इधर फिल्म में कार्तिक आर्यन की एंट्री भी चर्चा में थी। अब खबर आ रही है कि कार्तिक फिल्म से बाहर हो गए हैं।

रिधि डोगरा ने अपनी डेब्यू फिल्म लकड़बग्गा का फर्स्ट लुक किया जारी

बॉलीवुड अभिनेत्री रिधि डोगरा पिछले लंबे वक्त से अपनी डेब्यू फिल्म लकड़बग्गा को लेकर चर्चा में हैं। फैंस ब्रेसबी से उनकी इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसी बेबाबी को देखते हुए अब रिधि ने लकड़बग्गा से अपना फर्स्ट्ट लुक रिलीज कर दिया है। इस फिल्म वह अक्षरा डिसूजा नाम की एक लड़की का किरदार निभाती नजर आएंगी। हाल ही में जारी हुए इस मोशन पोस्टर ने रिधि के चाहनेवालों को और ज्यादा उत्साहित कर दिया है। रिधि फिल्म में एक पुलिसवाली के रूप में दिखाई देंगी। फिल्म का ट्रेलर 3 जनवरी, 2023 को रिलीज किया जाएगा। बता दें कि लकड़बग्गा एक ऐसी फिल्म है, जिसमें थ्रिल, एक्शन और सस्पेंस भरपूर देखने को मिलेगा। लकड़बग्गा 13 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। बताते चलें कि रिधि को हाल ही में पिचर्स सीजन 2 में देखा गया है, जिसमें उन्हें दर्शकों द्वारा काफी प्यार मिला।

CMYK

पीएम ने छत्तीसगढ़ के मिलेट मिशन की तारीफ की

» रायपुर में खोले मिलेट-कैफे

» एक घंटे की लंबी चर्चा में एनपीएस की राशि लौटाने समेत कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

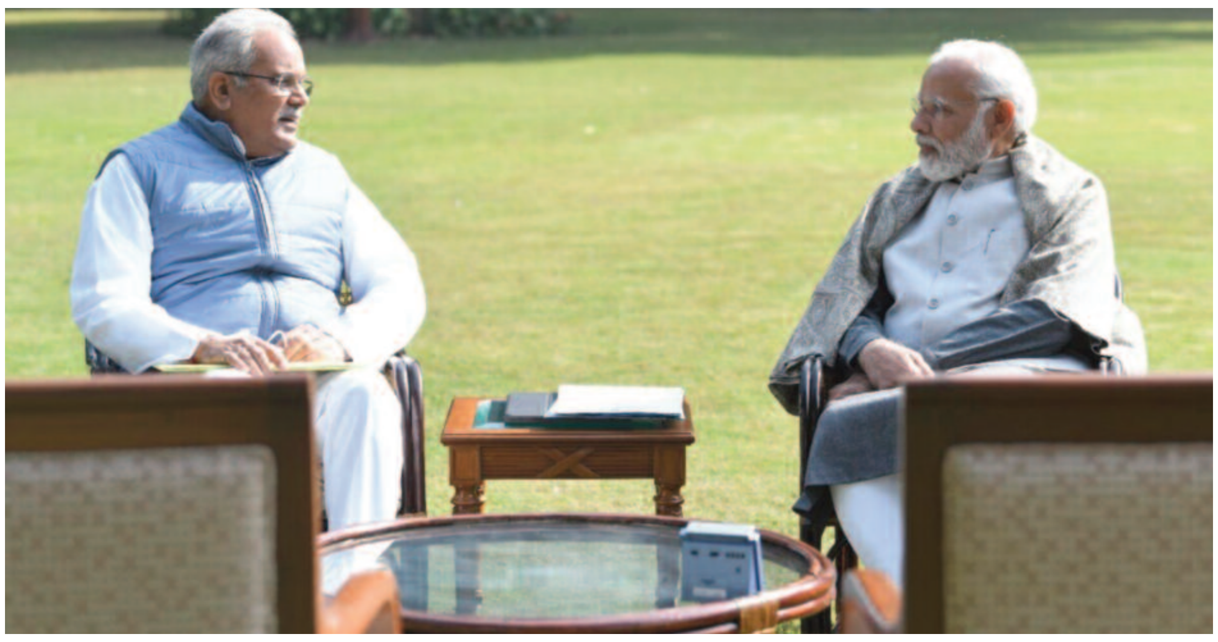

रायपुर,31 दिसम्बर 2022(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों में हो रही प्रगति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य में संचालित मिलेट मिशन के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में मिलेट्स का प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है।

इसपर प्रधानमंत्री मोदी ने मिलेट मिशन की तारीफ करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर में मिलेट कैफे शुरू करें। इस दौरान सीएम ने उन्हें केन्द्र के पास लंबित छत्तीसगढ़ की राजस्व राशियों के बारे में भी अवगत कराया और शीघ्र प्रदायगी का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने राज्य में विभिन्न नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए केन्द्र से सहायता का भी अनुरोध किया।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ में मिलेट का उत्पादन बड़ी मात्रा में होता है। राज्य में कोदो कुटकी का समर्थन मूल्य 3000 रुपये क्विंटल घोषित किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री को जानकारी दी देश का पहला मिलेट बैंक की शुरूआत छत्तीसगढ़ में की गई है। जहां 22 प्रकार के मिलेट का उत्पादन होता है। प्रधानमंत्री ने मिलेट मिशन की सराहना करते हुए रायपुर में मिलेट कैफे शुरू करने की सलाह दी।

मुलाकात के दौरान सीएम बघेल ने प्रधानमंत्री को बताया कि जी.एस.टी. लागू होने के बाद अन्य उत्पादक राज्यों की तरह ही छत्तीसगढ़ को भी वाणिज्यिक कर राजस्व में कमी का सामना करना पड रहा है। जी.एस.टी. लागू होने के दिनांक से 30 जून, 2022 तक छत्तीसगढ़ राज्य को देय जी.एस.टी. क्षतिपूर्ति राशि में से 1375 करोड़ रूपए राज्य को प्राप्त होना शेष है। यह राशि राज्य को शीघ्र प्रदाय की जाए।

सीएम ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा 2014 में निरस्त कोल ब्लाकों से एडीशनल लेवी की वसूली केन्द्र शासन द्वारा प्राप्त की गयी है। छत्तीसगढ़ राज्य के कोल ब्लाकों से इस मद से की गयी वसूली की राशि लगभग 4170 करोड़ रूपए राज्य को अंतरित करने के लिए केन्द्र शासन से अनेक बार अनुरोध किया गया है, किन्तु राशि अप्राप्त है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि राशि शीघ्र राज्य को अंतरित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित स्पंज आयरन और स्टील उद्योगों का ईंधन आवश्यकता के लिये साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड से कोयले की आपूर्ति में विगत 06 माह में लगातार समस्या आ रही है। इस कारण से राज्य के उद्योगों के संचालन में लगातार कठिनाई बनी हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि राज्य के उद्योगों को कोयला प्रदाय के लिए स्थ्रष्टरु को राज्य नोडल एजेंसी से शीघ्र अनुबंध तथा कोयला आबंटन करने के निर्देश देवें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिये हावड़ा-मुम्बई ट्रेन रूट जीवन रेखा की तरह है, परन्तु इस वर्ष रेलवे द्वारा समय-समय पर बहुत अधिक संख्या में यात्री ट्रेनों का परिचालन बंद किया जाता रहा है। इस प्रकार के ट्रेनों का परिचालन बंद करने के पूर्व कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की जाती हैं। ट्रेनों का परिचालन बंद करने के कारण मध्यम एवं निम्न वर्ग के लोगों को बहुत ज्यादा असुविधा का सामना करना होता है तथा रोजगार व्यवसाय के लिए उन्हें असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। शीत ऋतु के दौरान यात्रा के लिए आम नागरिकों के लिए रेल माध्यम ही सहज तथा सुगम है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में प्रदेश में पर्याप्त और समुचित वैकल्पिक व्यवस्था के बिना ट्रेनों को निरस्त नहीं करने के संबंध में संबंधितों को आदेश देने की कृपा करें।

जिला विपणन अधिकारी सस्पेंड

मिलर्स को करोड़ों रुपए का फायदा पहुंचाने का आरोप

रायपुर,31 दिसम्बर 2022(ए)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में 20 करोड़ की कूटरचित बैंक गारंटी जमा कर मिलर्स को करोड़ों रुपये का फायदा पहुंचाने का मामला सामने आया है। जिसके बाद जिले के जिला विपणन अधिकारी (डीएमओ) लोकेश कुमार देवांगन को तत्काल प्रभाव निलंबित कर दिया है। दअरसल डीएमओ ने मिलर्स से सांठगांठ कर चार फर्मों को फर्जी तरीके से लाभ पहुंचाने की शिकायत की गई थी।

24 की जगह 44 करोड़ की बैंक गारंटी कराई जमा

पेंड्रा रोड के राइस मिलर्स ने श्याम इंडस्ट्रीज, प्रोपाइटर फकीरचंद, श्याम फूड प्रोडक्ट, प्रोपाइटर गोपाल अग्रवाल, यश राइस मिल, प्रोपाइटर आशीष अग्रवाल और यश माडर्न फूड प्रोपाइटर गोपाल अग्रवाल सभी गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के नाम से कस्टम मिलिंग के लिए अनुबंध किया था। बता दें कि मिलर्स ने भारतीय स्टेट बैंक में 24 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी बनवाई थी। नियमतः जिला विपणन कार्यालय में जमा करने के बाद ही विधिवत अनुबंध पर हस्ताक्षर होते। मगर जिला विपणन अधिकारी लोकेश कुमार देवांगन ने मिलर्स से मिलकर दस्तावेज में कूटरचना कर 24 करोड़ की जगह 44 करोड़ की बैंक गारंटी जमा कराई।

इसी के आधार पर चारों फर्म को धान का उठाव, नागरिक आपूर्ति निगम से चावल की आपूर्ति समेत कई करोड़ के काम 2021-22 और 2022-23 में दिए गए। जिले अन्य फर्मों काम नहीं मिलने पर मामले की जांच की गई जिसके बाद ही इस भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ। जांच रिपोर्ट के आधार पर विभागीय सचिव संदीप गुप्ता ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर जिला विपणन अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बता दें कि निलंबन अवधि में उनका कार्यालय उपप्रबंधक कार्यालय नवा रायपुर रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने नववर्ष 2023 की दी शुभकामनाएं

रायपुर, 31 दिसम्बर 2022(ए)। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने देश एवं प्रदेशवासियों को नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने सभी के मंगलमय और खुशहाल जीवन की कामना करते हुए कहा है कि नया वर्ष 2023 सभी के लिए सुख-शांति और समृद्धिदायक हो। राज्यपाल ने कहा कि नए साल के शुभारंभ में हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम दूसरों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। दूसरों के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने का प्रयास करेंगे तो हम स्वयं में भी खुशी महसूस करेंगे। इसके अलावा वैश्विक जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए पर्यावरण की भी चिंता करना आवश्यक है। इसके लिए छोटे-छोटे कदम उठाने की जरूरत है, जो कि हम आसानी से कर सकते हैं।

पत्रकारिता के क्षेत्र में रमेश नैय्यर का निधन अपूर्णीय क्षति:रघु ठाकुर

रायपुर, 31 दिसम्बर 2022(ए)। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक इन दिनों छत्तीसगढ़ के अल्प प्रवास पर आए हुए हैं। शनिवार को उन्होंने देश के प्रसिद्ध एवं वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय रमेश नैय्यर के आवास में जाकर उनके परिजनों से मिलकर स्वर्गीय नैय्यर के फोटो पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। ठाकुर ने स्वर्गीय नैय्यर को सदी का संवेदनशील पत्रकार निरूपित करते हुए पुराने दिनों के याद करते हुए कहा कि स्वर्गीय नैय्यर के साथ उनका 45 वर्ष का नाता था। इस दौरान अनेक जनआंदोलनों में उनकी सटिक रिपोर्ट से न केवल पीड़ित शोषित समाज को न्याय मिला अपितु उन्होंने प्रशिक्षित पत्रकारोंकी एक शानदार टीम खड़ी की। वे संवेदनशील सामाजिक कार्यकर्ता थे। बस्तर हुए अनेक आंदोलनों में नैय्यर के साथ यात्रा के दौरान उनसे कई विषयों पर सार्थक चर्चाएं हुईं। उनका निधन पत्रकारिता के लिए अपूर्णीय क्षति है।

कांग्रेस की रैली में शामिल नहीं होगा सतनामी समाज

रायपुर, 31 दिसम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ में आरक्षण मुद्दे पर आज राजीव भवन में पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने विभिन्न समाज प्रमुखों से मुलाकात कर आरक्षण मसले पर रायशुमारी ली। इस मसले पर छत्तीसगढ़ प्रगतिशील सतनामी समाज के प्रदेश अध्यक्ष आर पी भतपहरी ने कहा कि विधानसभा में आरक्षण मुद्दे पर लाया गया प्रस्ताव के पक्ष में किए जाने वाले आंदोलन का हम समर्थन नहीं करते।

आर पी भतपहरी ने कहा कि, एससी वर्ग के लिए हम 16त्न आरक्षण चाहते हैं, लाये गए विधेयक में हमारा आरक्षण घटाकर 16त्न से घटाकर 13त्न कर दिया गया है, जो हमें मान्य नहीं है। उन्होंने कहा कि, अपनी मांग से सत्ताधारी दल के प्रदेश अध्यक्ष को अवगत कराया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को नव वर्ष की दी शुभकामनाएं

रायपुर, 31 दिसम्बर 2022(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि नया वर्ष सभी लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए। नए वर्ष में सभी जीवन और कर्तव्य पथ पर सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़े। मुख्यमंत्री बघेल ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा है कि नया वर्ष हमारे जीवन में नई उम्मीदें और सकारात्मक ऊर्जा साथ लेकर आता है। इसी ऊर्जा के साथ छत्तीसगढ़ सरकार ने बीते चार साल में गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ कई नई योजनाओं की शुरूआत की है। कई ऐसे नवाचार हुए है, जिनसे गांव से लेकर शहर तक हर हाथ को काम मिला है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना प्रारंभ की गई। गौठानों में मल्टीएक्टिविटी सेंटर और रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की

बिक्री के लिए सी-मार्ट प्रारंभ किए गए हैं। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत पौनी-पसारी व्यवस्था से जुड़े लोगों को आर्थिक सहायता मिली। इनका छत्तीसगढ़ में सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। देश में सबसे कम बेरोजगारी दर के मामले में छत्तीसगढ़ शीर्ष पर है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार ने महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज्य की परिकल्पना के साथ समावेशी विकास के लक्ष्य के साथ काम करना शुरू किया। जहां गांवों की आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में नवाचार किए गए, वहीं राज्य की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और वनांचल क्षेत्रों में उपलब्ध विपुल वनोपज को देखते हुए नई उद्योग नीति में कृषि और वनोपज आधारित उद्योगों को प्राथमिकता श्रेणी में रखा गया है। उद्योगों की स्थापना से रोजगार और स्व-रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की पुरातन संस्कृति और परम्पराओं के संवर्धन के साथ नई पीढ़ी को भी उससे जोड़ने में सफल रही। श्री बघेल ने कहा कि बीते कुछ समय में छत्तीसगढ़ ने देश-दुनिया के सामने सफलता की नए सोपान तय किए हैं। फिर से सभी जोश और उत्साह के साथ नए साल की सुनहरी सुबह के अभिनंदन के लिए तैयार हों। सकारात्मकता, एकजुटता और सहयोग से आगे बढ़े, नया छत्तीसगढ़ गढ़ें।

न्यूईयर पर लाउडस्पीकर के लिए इतनी ही देर रहेगी छूट

इन नियमों का करना होगा पालन, आदेश हुआ जारी

रायपुर, 31 दिसम्बर 2022(ए)। नववर्ष के कार्यक्रमों के आयोजन में ध्वनि विस्तारक यंत्र लाउडस्पीकर की अनुमति के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को जारी दिशा-निर्देश में यह स्पष्ट किया गया है कि नववर्ष के कार्यक्रमों में 31 दिसम्बर एवं 01 जनवरी 2023 की रात को 10 बजे से 12 बजे तक ही नियमानुसार लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति दी जा सकेगी।

इस संबंध में सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को ध्वनि प्रदूषण नियम के अधीन ही व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा है। ध्वनि प्रदूषण नियम के निर्देशों का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि विगत वर्षों के भांति नववर्ष आगमन के अवसर पर प्रदेश के नागरिकों और संस्थाओं के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना संभावित है।

इन आयोजनों से उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण से प्रदूषण के स्तर वृद्धि को देखते हुए ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नववर्ष की आगमन पर राज्य में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में एक जनवरी 2023 को रात्रि 10 बजे से अर्द्धरात्रि 12 बजे तक लाउडस्पीकर एवं जन उद्बोधन प्रणाली के उपयोग के अनुमति ध्वनि प्रदूषण नियम में निर्धारित मापदण्डों के अध्यधीन रहते हुए अनुमति प्रदान की जाए।

प्रदेश में बदलेगा मौसम का मिजाज

रायपुर, 31 दिसम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से ठंड बढ़ सकती है बता दे कि प्रदेश में कुछ दिनों से ठंडी नहीं पड़ रही थी। लेकिन एक बार फिर नए साल में राजधानी समेत प्रदेश में ठंड बढ़ने के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार नए साल में मौसम का मिजाज बदल सकता है। साल की शुरुआत से ठंड में बढ़ोतरी होने की संभावना भी जताई जा रही है।

7 जनवरी को अमित शाह छत्तीसगढ़ में

रायपुर, 31 दिसम्बर 2022(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 7 जनवरी को छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वह कोरबा में आकांक्षी जिलों में जारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। अगले साल 2023 में प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं ऐसे में साल की शुरूआत में ही अमित शाह का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है। हालांकि कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा की जानकारी अभी नहीं मिल सकी है। मगर ऐसी संभावना है कि अमित शाह कोरबा में एक सभा को संबोधित कर सकते हैं। बता दें कि अमित शाह का झारखंड से होते हुए छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे।

राहुल गांधी की उम्मीदवारी पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिया बड़ा बयान

रायपुर, 31 दिसम्बर 2022(ए)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाना चाहिए।

उन्होंने यह बातें दिल्ली में मीडिया से चर्चा के दौरान कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद सीएम बघेल मीडिया से मुखातिब हुए। तब मीडिया से सीएम से सवाल किया कि क्या राहुल गांधी के नेतृत्व में साल 2024 का लोकसभा चुनाव सभी विपक्षी पार्टियों को लड़ना चाहिए। इस सवाल के जवाब में सीएम ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता के नाते मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि राहुल गांधी को 2024 में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनना चाहिये और सभी विपक्षी दलों को उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ना चाहिये। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राहुल गांधी के पदयात्रा की तारीफ की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को लेकर देशवासियों का नजरिया भारत जोड़ो यात्रा के दौरान काफी बदला है। उन्होंने कहा कि आज उनकी यात्रा में हर वर्ग के लोग शामिल हो रहे हैं।

छात्राओं की शिकायत पर हुई गिरफ्तारी

रायपुर, 31 दिसम्बर 2022(ए)। नवगठित जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में नाबालिग स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ करने के आरोप में एक प्रधान पाठक को गिरफ्तार किया गया है। पूरा मामला अंबागढ़ चौकी थाना क्षेत्र का है। यहां के शासकीय प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं ने शिकायत की थी कि प्रधान पाठक हरीश कुमार मरावी (61 वर्ष) कॉपी चेक करने के बहाने उनके साथ छेड़छाड़ करता है।

छात्राओं ने बताया कि वो उनके निजी अंगों को गलत नीयत से हाथ लगाता है। उन पर बुरी नीयत रखता है। उनसे गलत बातें करता है, जिसके कारण उनका स्कूल जाकर पढ़ाई करना दूभर हो गया है। छात्राओं ने प्रधान पाठक की शिकायत अपने घरवालों से भी की। घरवाले छात्राओं के साथ अंबागढ़ चौकी थाने पहुंचे और वहां मामले की शिकायत की। आक्रोशित ग्रामीणों ने तुरंत आरोपी पर कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी प्रधान पाठक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी मूल रूप से समनापुर जिला डिंडौरी मध्यप्रदेश का रहने वाला है। पुलिस ने कहा कि 10 से ज्यादा छात्राओं ने आरोपी शिक्षक की शिकायत की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ ढ्ढक्क की धारा 354 (क)(1) पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

बीजेपी की सरकार आई तो छत्तीसगढ़ में पूर्ण शराबबंदी होगी

बिलासपुर 31 दिसम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी सत्ता वापसी के लिए बड़ी तैयारी में नजर आ रही है। बीजेपी विधानसभा स्तरीय तैयारी में जुट गई है। इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश में बीजेपी की सरकार आई तो राज्य में पूर्ण शराबबंदी होगी। वे शराबबंदी को अपने घोषणा पत्र में शामिल करेंगे। उन्होंने कहा कि, पहले भी हम क्रमिक शराबबंदी लागू किए थे।दरअसल, पूर्व सीएम डॉ.रमन सिंह लगातार बिलासपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। वहां के लोगों और कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। साथ ही संगठनात्मक बैठकें भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में वे शुक्रवार को तखतपुर विधानसभा के भकुर्रा, नवापारा में आयोजित आम सभा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों को संबोधित किया। साथ ही भाजपा कार्यालय में आयोजित समन्वयक और जनप्रतिनिधियों की विधानसभा स्तरीय बैठक में शामिल होकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया।

इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि, हम अपने शासन काल में पहले ही शराबबंदी की ओर बढ़ रहे थे। साथ ही 3000 तक की जनसंख्या वाले गांवों में हमने पूर्ण शराबबंदी लागू की थी। अब हम फिर से अपने घोषणा पत्र में शराबबंदी की बात को शामिल करेंगे।

शहर के चौक-चौराहों पर दो-दो ट्रैफिक सिग्नल,भ्रमित हो रहे वाहन चालक

बिलासपुर 31 दिसम्बर 2022(ए)। नगर निगम सीमा क्षेत्र के मंगला चौक सीएमडी चौक श्रीकांत वर्मा मार्ग चौक समेत अन्य चौराहों पर आईटीएमएस योजना के तहत अत्याधुनिक कमरों के साथ ट्रैफिक सिग्नल लगाया जा रहा है। परंतु स्मार्ट सिटी योजना के तहत शहर को स्मार्ट करने के बजाए संबंधित अधिकारी आनन-फानन में निर्णय लेकर चौक-चौराहों की शोभा बिगाड़ने में लगे हैं।लगभग 158 करोड रुपए के आईटीएमएस योजना को लागू करने से पहले नगर निगम ट्रैफिक पुलिस द्वारा चौक में लगे पुराने ट्रैफिक सिग्नल को हटाया नहीं गया है। इसके सामने ही नया सिग्नल लगा दिया गया हैं। यह स्थिति लगभग सभी चौक चौराहों पर देखने को मिलेंगी। जहां दो-दो ट्रैफिक सिग्नल देख वाहन चालक भ्रमित हो जा रहे हैं। पता नहीं पुराने सिग्नल को कब हटाया जाएगा और इसकी क्या उपयोगिता होगी, इसका जवाब अधिकारी भी देने से कतरा रहे हैं।

सरपंच ने किया पद का दुरुपयोग,बर्खास्त आदेश जारी

बिलासपुर 31 दिसम्बर 2022(ए)। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले सरपंच को बर्खास्त कर दिया गया है। दरअसल, सरपंच ने अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए 2.50 एकड़ जमीन को घेर कर खेत बना लिया और उसमें धान उगा लिया था। मामले की जांच के बाद स्थ्रूने पंचायत राज अधिनियम के तहत दोषी सरपंच के खिलाफ कार्रवाई की है। मामला ग्राम पंचायत पेंड्री का है।

मस्तूरी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत पेंड्री के उपसरपंच प्रीत कुमार चतुर्वेदी ने सरपंच खम्हन लाल चतुर्वेदी के खिलाफ अतिरिक्त कलेक्टर के समक्ष लिखित शिकायत की थी। इसमें उपसरपंच ने आरोप लगाया था कि सरपंच खम्हन लाल ने गांव की शासकीय भूमि 2.50 एकड़ पर अवैध कब्जा कर उसे घेर लिया है और उसमें धान फसल लगाया है। उन्होंने एसडीएम को जांच कर प्रतिवेदन मांगा था। बीते साल दिसंबर 2021 को मस्तूरी तहसीलदार ने प्रारंभिक जांच के आदेश दिए और पटवारी से जानकारी मांगी। इसके साथ ही केस में सरपंच को पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किया।पटवारी ने जांच के बाद प्रतिवेदन में सरकारी जमीन पर कब्जा करने और उसमें धान बोने की पुष्टि की। सात जनवरी 2022 को आदेश पारित कर छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 के प्रविधान के तहत सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने की पुष्टि होने के बाद जांच रिपोर्ट अतिरिक्त कलेक्टर आरए कुरुवंशी को भेजी गई। अतिरिक्त कलेक्टर कुरुवंशी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खम्हनलाल चतुर्वेदी पर पंचायती राज अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए उसे सरपंच के पद से हटा दिया है। इसके साथ ही दो हजार रुपए अर्थदंड भी दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)